सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 282 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 26 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

कारगिल विजय दिवस पर वित्त मंत्री ने भारतीय सेना के शौर्य को किया नमन

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कारगिल विजय दिवस की गौरवमयी वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य एवं अटूट संकल्प को कोटि-कोटि नमन करते हुए कारगिल युद्ध के अमर वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे वीर जवानों ने अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का त्याग, बलिदान और शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके अदम्य साहस के कारण देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और भारत का गौरव अक्षुण्ण है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि कारगिल के अमर शहीदों का बलिदान सदैव राष्ट्रवासियों के हृदय में अमिट रहेगा। उन्होंने देशवासियों से वीर सैनिकों के त्याग और राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति सदैव समर्पित रहने का आह्वान किया।

राजनाथ की पाकिस्तान को दो टूकः बोले-बात होगी तो सिर्फ पीओके पर

नईदिल्ली ए.। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर देश के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ कर दिया है कि भारत के खिलाफ आतंकवाद का सहारा लेने वालों का अंजाम क्या होगा। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि पाकिस्तान कोई दुस्साहस करता है तो भारत उसकी कल्पना से भी अधिक कड़ा जवाब देने में सक्षम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच यदि कोई बातचीत होगी तो वह केवल पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगी, क्योंकि वह भारत का अभिन्न हिस्सा है जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकियों और उन्हें संरक्षण देने वालों के बीच कोई फर्क नहीं किया जाएगा।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया। उन्हें मौजूदा मंत्रालयों के साथ शिक्षा मंत्रालय की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिनों से जंतर-मंतर पर धरना दे रही थी। शनिवार शाम करीब 8:15 बजे शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार प्रह्लाद जोशी को सौंप दिया गया। जोशी वर्तमान में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, उपभोक्ता मामले तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं।

पीएम बोले- युवाओं ने देश का मान बढ़ाया, मन की बात में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नईदिल्ली ए.। पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती।

पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

कारगिल में जवानों ने हर चुनौती किया सामाना

कारगिल विजय दिवस पर पीएम मोदी ने कहा- यह ऐसी तारीख है, जिसे दिन याद रखे बिना भी याद रखा जाता है। कारगिल में जवानों ने हर चुनौती के बावजूद हार नहीं मानी। दिल्ली से द्रास तक शौर्य विजय यात्रा निकाली जा रही है। ड्ढह्स महेंद्रगिरी और पिनाका: पीएम ने कहा- भारत रक्षा तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरी नौसेना में शामिल हुआ और पिनाका मिसाइल का भी सफल लॉन्च हुआ। पीएम मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की।

विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण

पीएम ने कहा पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था।

दुर्ग पुलिस ने की नाबालिग वाहन चालकों पर कार्रवाई, अभिभावकों से भरवाया संकल्प पत्र

■ **ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग ने चलाया संयुक्त अभियान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से एक बड़ा अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना लाइसेंस सड़कों पर फर्राटा भर रहे नाबालिग वाहन चालकों को पकड़ा गया और उनके पालकों को सेक्टर 6 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम बुलाकर कड़ी समझाइश दी गई। इसके साथ ही भविष्य में बच्चों को गाड़ी न देने का लिखित घोषणापत्र भी भरवाया गया।

बड़ी संख्या स्कूली छात्र-छात्राएं दुपहिया वाहन में स्कूल और कोचिंग सेंटर आना- जाना कर रहे हैं। बिना लाइसेंस नाबालिगों के वाहन चालन से हादसे का खतरा बढ़ जाता है। इसे देखते हुए ट्रैफिक्र पुलिस और परिवहन विभाग ने शनिवार को शहर के चौक चौराहों पर अभियान चलाया। इस अभियान में लगभग 30 ऐसे दुपहिया वाहन चालकों को पकड़ा गया, जो नाबालिग होने से लाइसेंस की पात्रता नहीं रखते। लिहाजा उनके अभिभावकों को पुलिस कंट्रोल रूम बुलाकर समझाइश दी गई। अभियान के दौरान एडिशनल एसपी ट्रैफिक्र कौशलेंद्र देव पटेल ने उपस्थित अभिभावकों से सीधे संवाद किया। उन्होंने पालकों को नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से होने वाले जान-माल के गंभीर खतरों से अवगत कराया।

कम उम्र में गति नियंत्रण की परिपक्वता नहीं होती

एडिशनल एसपी ट्रैफिक कौशलेंद्र देव पटेल ने कहा कि कम उम्र में बच्चों में सही समय पर निर्णय लेने और गति नियंत्रण की परिपक्वता नहीं होती। ऐसे में उन्हें दुपहिया या चारपहिया वाहन देना सीधे तौर पर दुर्घटना को आमंत्रण देना है। इससे न सिर्फ नाबालिग की जान जोखिम में पड़ती है, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य निर्दोष लोगों के जीवन और संपत्ति का भी भारी नुकसान होता है। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने अभिभावकों को मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम के सख्त प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाबालिग के गाड़ी चलाने पर केवल जुर्माना ही नहीं, बल्कि वाहन स्वामी का पंजीयन रद्द होने और अभिभावकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान है।

पालकों ने लिया लिखित संकल्प

पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर 6 में उपस्थित सभी अभिभावकों ने अपनी भूल स्वीकार की और शासन के नियमों का पालन करने की प्रतिबद्धता जताई। सभी पालकों से एक शपथ पत्र भरवाया गया, जिसमें उन्होंने संकल्प लिया कि जब तक उनके बच्चे 18 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं कर लेते और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक वे उन्हें किसी भी प्रकार का वाहन नहीं देंगे। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यातायात सुरक्षा को लेकर इस प्रकार का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस में बड़ा हादसा

चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में गिरी महिला, गंभीर रूप से घायल

शहडोल। मध्यप्रदेश के शहडोल रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 पर खड़ी गाड़ी संख्या 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस के रवाना होने के दौरान एक महिला यात्री ने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन के नीचे गिर गई। हादसे में महिला का एक पैर कट गया। घटना के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों ने तत्काल ट्रेन में चैन पुलिंग कर दी, जिससे ट्रेन को रोका गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला स्लीपर कोच एस-2 में सफर कर रही थी। ट्रेन के प्लेटफॉर्म से रवाना होने के बाद उसने नीचे उतरने की कोशिश की, लेकिन गति पकड़ चुकी ट्रेन के कारण वह संतुलन नहीं बना सकी और हादसे का शिकार हो गई। घटना को देखकर प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षक आभा तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए दौड़कर महिला को बचाने और सुरक्षित निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सकीं। इसके बाद घायल महिला को जिला चिकित्सालय भेजा। आरपीएफ आरक्षक महेंद्र कुमार को महिला के साथ अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार की व्यवस्था कराई गई।

छत्तीसगढ़ में फिर सक्रिय होगा मानसून कई जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट

■ **तेज हवा और आकाशीय बिजली की चेतावनी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। इसके साथ ही कई जिलों के लिए रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार वर्तमान में सक्रिय मानसूनी सिस्टम और ऊपरी हवा के प्रभाव के कारण प्रदेश में मौसम तेजी से बदल रहा है। इसका 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। मौसम विभाग ने रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ और बिलासपुर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं कोरबा, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, बस्तर संभाग के कई जिले तथा अन्य क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा उत्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों में यलो अलर्ट भी प्रभावी रहेगा।

शनिवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। लटोरी, कुसमी, पत्थलगांव, मैनपाट, सीतापुर और पौड़ी उपरोड़ा क्षेत्र में वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश कम होने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज हुई।

मौसम विभाग ने बताया कि वर्तमान में मानसून द्रोणिका राजस्थान से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक सक्रिय है। इसके साथ ऊपरी हवा का शियर जोन भी प्रभावी बना हुआ है, जिससे प्रदेश में अगले 24 घंटे के दौरान मौसम का मिजाज बदला रहेगा। विभाग ने किसानों, यात्रियों और खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों से खराब मौसम के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है।

भिलाई में पुलिस का चेकिंग अभियान : अवैध शराब जब्त, दबोचे गए वारंटी और हुआ संदिग्धों का सत्यापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने आज भोर होने से पहले खुर्सीपार और जामुल थाना क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस के लगभग 50 अधिकारी - कर्मचारियों की मौजूदगी रही। इस दौरान अवैध शराब जप्त करने के साथ वारंटियों की धरपकड़ एवं संवेदनशील क्षेत्रों रहने वाले में संदिग्ध लोगों व्यापक सत्यापन किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के आदेशानुसार प्रात: 04:00 बजे से 08:00 बजे तक थाना खुर्सीपार एवं जामुल क्षेत्र में 50 अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा विशेष चेकिंग अभियान संचालित कर संवेदनशील क्षेत्रों में सघन तलाशी एवं सत्यापन किया गया। थाना खुर्सीपार क्षेत्र की देवार बस्ती में कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति के कब्जे से 34 पौवा अवैध शराब जप्त कर उसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान कुल 02 स्थायी वारंट एवं 05 गिरफ्तारी वारंटों का तामील किया गया तथा एक गिरफ्तारी वारंटी की मृत्यु होने पर नियमानुसार उसका मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया।नालंदा परिसर के पीछे स्थित अटल आवास सहित संवेदनशील क्षेत्रों में निवासरत व्यक्तियों का सत्यापन, संदिग्ध व्यक्तियों की जांच एवं अपराध नियंत्रण की दृष्टि से व्यापक चेकिंग की गई।

अभियान का उद्देश्य वारंटियों की धरपकड़

एडिशनल एसपी शहर शोभराज अग्रवाल के मुताबिक अभियान का उद्देश्य वारंटियों की धरपकड़, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना था। इस विशेष अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर शोभराज अग्रवाल के पर्यवेक्षण में नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी प्रशांत पैकरा,थाना प्रभारी खुर्सीपार निरीक्षक लक्ष्मण केंवट, थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक राकेश चंद्रवंशी, थाना प्रभारी नेवई निरीक्षक अनिल पटेल, थाना प्रभारी भिलाई भट्टी निरीक्षक प्रकाश कांत, थाना प्रभारी एसीसीयू निरीक्षक यातायात शाखा, रक्षित केंद्र तथा दोनों थाना क्षेत्रों के कुल 50 अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई।

संपादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

सुरक्षा कवच था संयुक्त कुनबे का संबल

देश के बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर' केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में 'तलाक' के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है।

> "संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है।

हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन-सपंदा व भारी चमक-दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था कि, जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा-दादी या नाना-नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे-नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे-बेटियों व पोते-पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता-पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख-दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था। घर की सुरक्षा बनी रहती थी। बूढ़ी मां भले ही शारीरिक रूप से अक्षम होती, लेकिन भरोसा बना रहता था कि घर में मां तो है। पिता तो हैं। अब जब पति-पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है। दरअसल, आज परिवार में रिश्तों से बड़े अहम् हो गए हैं। इगो का टकराव अकसर रिश्तों के बिखराव की वजह बनता है। कोई झुकने को तैयार नहीं होता है तो परिवार को टूटने से कौन रोकेगा? जाहिर है जो बात पति-पत्नी के बीच नहीं बनी, वो कोर्ट-कचहरी में क्या बनेगी? अलगाव का त्रास मनमुटाव से ज्यादा भयावह होता है। तभी तो अदालतों में तलाक की अर्जियों की संख्या दिन-दुगनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण!

ललित गर्ग

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है।

नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है।

हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वही सरकार के द्वारा नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निर्माताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन में जब सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एंट्री होती है, वह भूख हड़ताल पर बैठ जाते हैं और जब भूख हड़ताल एक-एक दिन करके लंबी चलने लगती है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा यह आंदोलन देश के कुछ राजनेताओं के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एक शानदार पर्यटन स्थल बन जाता है, जिसके चलते धरनास्थल पर बहुत तेज़ी से छोटे व बड़े राजनेताओं का तांता लगने लग जाता है। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की स्थिति कुछ लोगों व राजनेताओं के द्वारा देश राजधानी दिल्ली में बनायी जा रही है, उससे अब यह स्पष्ट होता जा रहा कि लंबे अरसे से आंदोलनरत छात्रों की मूल मांगें राजनीतिकरण के चलते अब पीछे छूट गई हैं।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को आज कुछ लोगों के गैंग ने छात्र हित के जगह पर्दे के पीछे छिपी सत्ता हथियाने की सीढ़ी से केंद्र व प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन करने का हथियार बना लिया है। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुछ लोगों व राजनेताओं ने पूर्व की भांति ही सत्ता परिवर्तन करने की महत्वाकांक्षा का हथियार बनाते हुए आंदोलन को राजनेताओं की स्वार्थ पूर्ति अखाड़ा बनाकर रख दिया है। हर बार की ही तरह इस बार भी छात्रों के बेहद शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन को कुछ चतुर, चालाक व बेहद ही स्वार्थी राजनेता ने घुसकर के छात्रों व देश युवाओं के केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश को अपने क्षणिक हितों को साधने की ताकतवर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तिगत एजेंडे व हितों की पूर्ति करने व पार्टी के हितों को साधने वाली राजनीतिक जमीन को मजबूत करने वाला आंदोलन बनाकर रख दिया है। छात्रों के नाम पर शुरू हुए आंदोलन में अब छात्रों के हित की बातें बहुत पीछे छूटते जा रही हैं, राजनेताओं के छिपे हुए एजेंडे छात्र व नौजवानों के हितों पर हावी होते जा रहे हैं, कुछ लोगों के द्वारा आंदोलन को हिंसक बनाते हुए राजनीतिकरण किया जा रहा है।

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है।

वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरु हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने की लगातार संभावना व्यक्त कर रही हैं, लेकिन फिर भी किसी भी पक्ष को राष्ट्र व छात्रों के हितों की कोई चिंता वास्तव में नज़र नहीं आती है, केवल और केवल किसी भी तरह से सत्ता हथियाने व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा करवाने की चिंता ज्यादा है। हालांकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को दुविधा में डालने से पहले और हंगामा खड़ा होने से पहले ही स्वयं ही नैतिकता के आधार पर बिना किसी भी जोर दवाब के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा स्वेच्छा से पहले ही दे देना चाहिए था और सरकार का विवेक था कि वह धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को स्वीकार करती या अस्वीकार करती।

लेकिन छात्रों, अभिभावकों व हमें भी निष्पक्ष रूप से यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पूर्ण हो जाने से भविष्य में देश में पेपर लीक की यह घटनाएं रुक जायेंगी, क्या इस्तीफे से छात्रों व युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो जायेगा। वैसे भी आज की परिस्थितियों में आंदोलनरत छात्रों को भी यह आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए कि आज उनका शांतिपूर्ण आंदोलन कहां आकर के खड़ा हो गया है, क्या आंदोलन पर कब्जा जमाकर के बैठे नेताओं के द्वारा छात्र हित की बातें आज किसी समाधान करने वाले वास्तविक पटल पर उठायी जा रही हैं या इन नेताओं के द्वारा चतुराई से छात्रों की आड़ में अपने-अपने छिपे हुए एजेंडे को पूरा करा जा रहा है।

सभी आंदोलनरत छात्रों को ध्यान रखना चाहिए कि हमारे प्यारे देश में ओछी राजनीति कब क्या करा दें, उसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए वह पूरी तरह से सजग रहें और शांतिपूर्ण आंदोलन को छात्र व नौजवानों के हितों तक ही सीमित करते हुए किसी भी कीमत पर हिंसक ना होने दें, तब ही देर सबेर छात्रों के हितों की बात को लेकर के कुछ ठोस निर्णय अवश्य होगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

टूरिज्म ऐसा हो, जो पर्यावरण व संस्कृति को क्षति ना पहुंचाए

शिव्या नाथ

मैं लगातार केरल के बारे में सोचती रही हूं। दक्षिण भारत की उस समृद्ध भूमि की मनमोहक सुंदरता में मैं जैसे रम-सी गई थी। गेंदे के चमकीले पीले फूलों के खेतों के बीच साइकिल चलाना, धुंध से ढके वेस्टर्न घाट में पैदल चलना, केले के पत्ते पर परोसे स्वादिष्ट और शाकाहारी भोजन का स्वाद लेना और यात्रा के दौरान मिले लोगों से दयालुता, विनम्रता, उद्यमशीलता और मानवीय संवेदनाओं की अनगिनत कहानियां सुनना- ये सब अनुभव मेरी स्मृति में तरोताजा हैं।

केरल की यात्रा के बाद ही मैं इस नतीजे पर पहुंची थी कि रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म अब पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। केरल रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म मिशन शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य था। इसका स्पष्ट उद्देश्य था- पर्यटकों के लिए घूमने की बेहतर जगहों और स्थानीय लोगों के जीवनयापन के लिए बेहतर स्थानों का विकास करना।

टूरिज्म प्रोजेक्ट्स का ध्यान अमूमन पहले उद्देश्य पर केंद्रित रहता है- पर्यटकों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करना। इसी सोच का परिणाम है कि जंगलों के बीच से सड़कें बनाई जाती हैं और पहाड़ों पर बसे पर्यटन स्थलों पर कंक्रीट का बोझ बढ़ता जाता है।

कई बार अधिकारी पर्यटकों की मांगें पूरी करने को ही अपनी प्राथमिकता बना लेते हैं, चाहे उससे स्थानीय पर्यावरण या संस्कृति को कितना ही नुकसान क्यों न पहुंचे। लद्दाख के शुष्क पर्वतीय मरुस्थल में सदियों पुराने सूखे कम्पोस्ट टॉयलेट्स की जगह फ्लश टॉयलेट्स को बढ़ावा दिया जाता है। पूरे देश में ही ऐसी प्रवृत्तियों के कारण पर्यटन, स्थानीय जीवन को बेहतर बनाने के बजाय कई बार उसके लिए बाधा बन जाता है।

लेकिन केरल की यात्रा के दौरान मुझे इस विचार का दूसरा पक्ष भी समझ में आया। मेरी मुलाकात कई छोटे उद्यमियों और महिला स्वयं-सहायता समूहों से हुई, जिन्हें केरल के रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म मिशन ने अपने अनेक कार्यक्रमों के तहत व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण दिया था।

इन गतिविधियों में पापड़म बनाना, रीसाइकल्ड मोमबत्तियां तैयार करना और प्लास्टिक थैलों के विकल्प के रूप में कपड़े के बैग सिलना जैसी पहलें शामिल थीं। भारत के कई राज्यों में व्यावसायिक प्रशिक्षण तो दिया जाता है, लेकिन रोजगार के अवसरों के अभाव में ऐसे कार्यक्रम अकसर सफल नहीं हो पाते।

केरल की सफलता का आधार इन कौशलों को पर्यटन से जोड़ना था। उद्यमियों को होटलों, रिसॉर्टों और होमस्टे से जोड़कर ऐसे संबंध स्थापित किए गए, जिन्होंने उनकी आजीविका को स्थायित्व प्रदान किया।

जिन उद्यमियों से मेरी मुलाकात हुई, उनमें से अनेक अपने कारोबार का विस्तार करने और जीवन-स्तर में सुधार लाने में सफल रहे हैं। वहीं रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म से जुड़ी रहने की जगहों को स्थानीय स्तर पर तैयार करने के लिए इको-कॉन्शस उत्पादों की नियमित आपूर्ति मिलने लगी है। इससे ऐसा मॉडल विकसित हुआ है, जो पर्यटकों के लिए बेहतर डेस्टिनेशन और स्थानीय लोगों के लिए बेहतर जीवन-स्थल तैयार करता है।

केरल में नीला नदी के किनारे यात्रा करते समय हमने कई ऐसे शिल्पकारों के साथ समय बिताया, जो अकेले अपने पारम्परिक शिल्प को जीवित रखे हुए हैं। हमने उनके जीवन के बारे में जाना, उनसे अनेक जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे और उनके काम का दस्तावेजीकरण किया। उनके शिल्प और परम्परा को समझने का अनुभव अपने आप में अत्यंत मूल्यवान था।

मध्य केरल में स्थित थेक्कडी के पेरियार टाइगर रिजर्व में मुझे वन विभाग की एक दूरदर्शी पहल के बारे में जानकर और भी प्रेरणा मिली। मन्नान जनजाति सदियों तक इस जंगल में बाघों, तेंदुओं और अन्य वन्यजीवों के साथ रहती आई थी।

वे मुख्यत: जंगल से मिलने वाले संसाधनों पर ही निर्भर रहते थे। जब उन्हें जंगल के बफर क्षेत्र में बसाया गया, तो उनकी आजीविका के अवसर बहुत कम हो गए। इसके बाद सामुदायिक पर्यटन की पहल शुरू की गई, जिसका उद्देश्य उनके लिए वैकल्पिक आजीविका के साधन विकसित करना था। चूंकि वे जन्म से ही इन जंगलों से परिचित थे, इसलिए उन्हें बुनियादी पर्यटन प्रशिक्षण देकर गाइड्स, बांस राफ्टिंग दल के सदस्य और शिकार-रोधी दस्तों का हिस्सा बनने के लिए तैयार किया गया।

स्थानीय समुदायों के पारम्परिक ज्ञान का उपयोग वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने, आजीविका के अवसर पैदा करने और यात्रियों को गाइडेड वॉक्स और ट्रेक्स के जरिये जंगल को अधिक गहराई से समझने का अवसर देने में मददगार साबित हुआ है। यह एक ऐसा मॉडल है, जिसे भारत के अन्य जनजातीय क्षेत्रों में भी अपनाया जाना चाहिए।

जंगलों के बीच से सड़कें बनाई जाती हैं और पहाड़ों पर बसे पर्यटन स्थलों पर कंक्रीट का बोझ बढ़ता जाता है। कई बार अधिकारी पर्यटकों की मांगें पूरी करने को ही अपनी प्राथमिकता बना लेते हैं, चाहे उससे स्थानीय पर्यावरण या संस्कृति को कितना ही नुकसान क्यों न पहुंचे।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

स्व-देखभालः स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, मानसिक असंतुलन और जीवनशैली संबंधी रोगों जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। इन समस्याओं का समाधान केवल अस्पतालों, दवाइयों और तकनीक से संभव नहीं है। इसके लिए जीवनशैली में परिवर्तन, आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक जागरण आवश्यक है।

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है-अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना। आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है।

भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। भारतीय चिंतन ने स्वास्थ्य को केवल शरीर की निरोगता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन को भी स्वास्थ्य का अनिवार्य आधार माना। आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्राणायाम, उपवास, संयम, अहिंसा और सात्त्विक जीवनशैली इसी समग्र दृष्टि के अंग हैं। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म कभी अलग-अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं।

आज जब संपूर्ण विश्व योग को अपनाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण करना आवश्यक है कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। योग शरीर को स्वस्थ करता है, प्राणायाम मन को संतुलित करता है, ध्यान चेतना को निर्मल बनाता है और अध्यात्म जीवन को दिशा देता है। इसी प्रकार जैन दर्शन का संयम, अहिंसा, प्रेक्षाध्यान और आत्मनिरीक्षण, बौद्ध दर्शन का विपश्यना मार्ग तथा गीता का समत्व योग मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं। भारत की यही आध्यात्मिक परंपरा आज विश्व के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। भारतीयवायु सेना भर्ती

यदि हम वास्तव में स्व-देखभाल को जीवन का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो हमें इसे केवल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि न मानकर जीवन-दर्शन के रूप में स्वीकार करना होगा। प्रात:काल का भ्रमण, नियमित योगाभ्यास, ध्यान, स्वाध्याय, आध्यात्मिक प्रवचनों का श्रवण, संतुलित एवं सात्त्विक भोजन, पर्याप्त नींद, डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचाव, प्रकृति के साथ समय बिताना, स्व-संवाद, आत्म-साक्षात्कार तथा प्रतिदिन आत्मचिंतन-ये सभी स्व-देखभाल के ऐसे सूत्र हैं जो व्यक्ति को भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वस्थ बनाते हैं। यह जीवनशैली न केवल रोगों से बचाती है, बल्कि मनुष्य को सकारात्मक, करुणामय और संतुलित भी बनाती है। आज विकसित भारत का जो स्वप्न देश देख रहा है, उसकी आधारशिला केवल आर्थिक प्रगति नहीं हो सकती। यदि राष्ट्र को वास्तव में विकसित बनाना है तो उसके नागरिकों का स्वस्थ, अनुशासित, संस्कारित और जागरूक होना अनिवार्य है। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक होंगे, रचनात्मक होंगे और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। इसलिए स्व-देखभाल को राष्ट्रीय विकास की रणनीति का भी एक महत्त्वपूर्ण अंग बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यस्थलों और सामाजिक संस्थाओं में योग, ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली शिक्षा को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, मानसिक असंतुलन और जीवनशैली संबंधी रोगों जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। इन समस्याओं का समाधान केवल अस्पतालों, दवाइयों और तकनीक से संभव नहीं है। इसके लिए जीवनशैली में परिवर्तन, आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक जागरण आवश्यक है। भारत के पास इस परिवर्तन का हजारों वर्षों का अनुभव और ज्ञान है। योग, आयुर्वेद, ध्यान, प्राकृतिक चिकित्सा, सात्त्विक आहार और आध्यात्मिक जीवन-दृष्टि भारत की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें यदि आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वित रूप में विश्व के सामने प्रस्तुत किया जाए तो वे मानवता के लिए वरदान सिद्ध हो सकती हैं।

हरि विश्राम

भक्ति रस डूबकर, पीते हैं चरण रज,
जप-तप रम गये,
पुण्य फल पाने को।

एकादशी का विधान, व्रती जन करें ध्यान,
आषाढ़ है शुक्ल पक्ष,
श्री हरि रिझाने को।

ग्यारस है तिथि आज, 'सुषमा' सुंदर काज,
मंदिर में सजे दीप,
हरि गीत गाने को।

प्रभु लीन योग निद्रा, सिंधु सजे शेष शैय्या,
लक्ष्मी जी दबाती पाँव,
चौमासा सुलाने को।

सुषमा प्रेम पटेल (रायगढ़/रायपुर छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

15 दिनों के श्रमदान से हटाया 680 टन मलबा व स्क्रैप

भिलाई। बीएसपी कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने एक उल्लेखनीय पहल की है। विभाग के मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा की प्रेरणा से सीएसपी-1 क्षेत्र में वर्षों से जमा मलबे और स्क्रैप को हटाने के लिए विशेष हाउसकीपिंग अभियान चलाया गया। लगभग 15 दिनों तक चले इस श्रमदान अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक प्रयास से लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्र को नया स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के उप महाप्रबंधक एस बरगठ एवं उप महाप्रबंधक सुनील गुप्ता के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रबंधक आनंद खरात, उप प्रबंधक श्री अभिलाष सिंह, अभियंता सहायक मनोज शर्मा तथा सहायक महाप्रबंधक अवनीत शुक्ला सहित पूरी टीम ने अभियान के दौरान डंप कार की सहायता से लगभग 600 टन प्रोसेस डस्ट (मलबा) हटाया। इसके अलावा मैग्नेटिक फाउलर एवं ट्रकों की मदद से लगभग 80 टन स्क्रैप तथा दो ट्रक अनुपयोगी कन्वेयर बेल्ट का भी सुरक्षित निष्पादन किया गया।

सेल-सीईटी द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यालय समिति, भिलाई-दुर्ग' के तत्वाधान में सेल-सीईटी' द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र, मानव संसाधन विकास केन्द्र के भूतल स्थित सभागार में नराकास स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारीसौरभ कुमार राजा ने सेल-सीईटी का राष्ट्र के निर्माण में योगदान तथा कंपनी के कार्यों का उल्लेख करते हुए राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति सेल-सीईटी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि, संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से नराकास स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, आयोजन क्रम की निरंतरता बनाए रखने के लिए हमारा संस्थान पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

विधायक निधि से 16 स्कूलों को मिले 25 कम्प्यूटर सिस्टम, विद्यार्थियों को मिलेगी डिजिटल शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक निधि से क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 25 कम्प्यूटर सिस्टम उपलब्ध कराए हैं। इन कम्प्यूटरों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक से जुड़ने, डिजिटल शिक्षा प्राप्त करने तथा कम्प्यूटर कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

आपको बता दें कि वैशाली नगर विधानसभा

अंतर्गत 16 शासकीय विद्यालयों को कम्प्यूटर सिस्टम वितरित किए गए हैं। इनमें जुनवानी, सुपेला, कोहका, कोसा नगर, वैशाली नगर, कुरुद, रामनगर, वृंदा नगर, कैंप-1, कैंप-2, कृष्णा नगर, फरीद नगर सहित अन्य क्षेत्रों के विद्यालय शामिल हैं।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज के दौर में कम्प्यूटर शिक्षा समय की आवश्यकता है। सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी निजी विद्यालयों की तरह डिजिटल संसाधन उपलब्ध हों, इसी उद्देश्य से विधायक निधि से कम्प्यूटर प्रदान किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों की तकनीकी जानकारी बढ़ेगी और वे भविष्य की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं एवं रोजगार के अवसरों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि कम्प्यूटर सिस्टम मिलने से विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण मिलेगा तथा सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

इन विद्यालयों को मिले कम्प्यूटर सिस्टम

शासकीय हाई स्कूल जुनवानी, शासकीय कन्या उमावि सुपेला, गुरु घासीदास शासकीय उमावि कोहका, शासकीय उमावि सुपेला, शासकीय उमावि कोसानगर, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जुनवानी, शासकीय कन्या उमावि वैशाली नगर, शासकीय उमावि कुरुद, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय हाउसिंग बोर्ड, शासकीय उमावि मुक्तिधाम रामनगर, शासकीय उमावि वृंदानगर, शासकीय उमावि कैंप-1, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जेपी नगर कैंप-2, शासकीय हाई स्कूल कैंप-2, शासकीय हाई स्कूल कृष्णा नगर सुपेला, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय फरीद नगर।

दुर्ग कलेक्टर की पहल : रक्तदाता संस्थाओं को मिलेगा एक चौथाई नि:शुल्क रक्त का लाभ

'रक्तदान-महादान' विषय पर कला मंदिर भिलाई में बैठक सम्पन्न, लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय में संचालित ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग में 'रक्तदान-महादान' विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, व्यापारी संघ, महिला समूहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रक्तदाताओं एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर सिंह ने एक नई पहल करते हुए कहा कि यदि कोई संस्था, समाज या संगठन रक्तदान करता है और उसके द्वारा अनुशंसित ऐसा व्यक्ति, जो शासन की नि:शुल्क रक्त श्रेणी में शामिल नहीं है, रक्त की आवश्यकता होने पर उसे संस्था द्वारा प्रदाय किए गए रक्त में से एक चौथाई नि:शुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में जनभागीदारी से सर्वसुविधायुक्त ब्लड बैंक का सफल संचालन किया जा रहा है। इस ब्लड बैंक के माध्यम से जिला चिकित्सालय में भर्ती गंभीर एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है, जिससे अनेक लोगों की जान बचाई जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पूरे वर्ष के लिए नियमित रक्तदान शिविरों का वार्षिक कैलेंडर तैयार करना है, ताकि प्रत्येक संस्था, संगठन एवं समाज रक्तदान शिविर आयोजित कर सके। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

आईआईटी भिलाई के सहयोग से बनेगा मोबाइल एप

कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी भिलाई के सहयोग से एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध रहेगी कि किस संस्था या संगठन ने कितनी यूनिट रक्तदान किया है, वर्तमान में ब्लड बैंक में कितनी यूनिट रक्त उपलब्ध है तथा अन्य आवश्यक जानकारी भी डिजिटल रूप से दर्ज रहेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि थैलेसीमिया, एनीमिया, सिकल सेल रोग, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं जैसे गंभीर मरीजों को नि:शुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। वहीं अन्य मरीजों से शासन द्वारा निर्धारित शुल्क लिया जाता है।

रक्तदान किसी के जीवन को बचाने है का संकल्प

कलेक्टर सिंह ने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि किसी के जीवन को बचाने का संकल्प है। युवाओं को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने में सभी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में जिले के विभिन्न समाज प्रमुखों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस एवं अर्धसैनिक बल, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी संगठनों, औद्योगिक संस्थानों तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से रक्तदान अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए सुझाव और सहयोग का आह्वान किया गया। इस अवसर पर ब्लड बैंक के प्रभारी अधिकारी डॉ. एस.आर. चुरेन्द्र ने ब्लड बैंक दुर्ग की कार्यप्रणाली, रक्त की आवश्यकता तथा स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। इस दौरान आभार प्रदर्शन श्री प्रमोद वाघ द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह, डीआईजी सीआईएसएफ अखिलेश कुमार शुक्ला, अपर कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार क्षमा यदु, जिला चिकित्सा अधिकारी एवं रेडक्रास सोसायटी सचिव मनोज दानी, रेडक्रॉस दुर्ग अध्यक्ष शरद पाटनकर, नोडल अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे आदि उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने शहर के विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का लिया जायज़ा

भिलाई। भिलाई नगर निगम आयुक्त सुरुचि सिंह द्वारा शनिवार को मॉर्निंग विजिट के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों में संचालित विकास कार्यों एवं मूलभूत व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने नेहरू भवन सुपेला का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए । सब्जी मंडी में जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। चंद्रा मौर्या के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का अवलोकन कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। नव निर्मित ई-बस स्टैंड की व्यवस्थाओं और वार्ड 8 गांधी चौक क्षेत्र की सुविधाओं का जायज़ा लिया। स्मृति नगर वार्ड 2 स्थित ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवासों में हितग्राहियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं में असुविधा न हो।

सिंगल यूज प्लास्टिक, गंदगी और सड़क बाधा पर नगर निगम की कार्रवाई, 4200 रुपए का वसूला गया जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 01, वार्ड क्रमांक 17 स्थित आकाशगंगा प्रतिष्ठान एवं सब्जी मंडी क्षेत्र में विशेष जांच व चालानी कार्रवाई अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान दुकानों में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, प्रतिष्ठानों के आसपास गंदगी फैलाना तथा मंडी में अवैध रूप से दुकानों के सामने सामान रखकर सड़क बाधित करने वालों पर सख्त रुख अपनाते हुए कुल 4,200 का सड़क बाधा व जुर्माना शुल्क वसूला गया।

जगन्नाथ नाश्ता सेंटर गंदगी व साफ-सफाई न रखने पर 400 रुपए, राजेश चाय ठेला सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 100 रुपए, महादेव फर्नीचर, अवैध रूप से सड़क बाधित करने पर 50 रुपए, मेवा लाल गुपचुप ठेला सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 200 रुपए, श्री राम फर्नीचर सड़क बाधित करने पर 50 रुपए, ?मोहन भाई सब्जी सेंटर सड़क बाधित करने पर 200 रुपए, ?लाल मणि यादव (ड्राइवर) सड़क बाधा उत्पन्न करने पर 200 रुपए, रज्जू पोल्ट्री फार्म अवैध रूप से वाहन खड़े कर सड़क बाधित करने पर 3,000 रुपए कुल वसूल की गई राशि 4,200 रुपए है।

कार्रवाई के दौरान पोल्ट्री फार्म मालिक द्वारा लिखित व मौखिक रूप से यह आश्वासन दिया गया कि दो दिनों के भीतर मंडी क्षेत्र में मुर्गियों से भरी गाड़ियां खड़ी करना बंद कर दिया जाएगा। निगम की टीम ने मंडी परिसर में सभी वाहन चालकों व व्यापारियों को सख्त समझाइश दी कि सड़क पर अवैध ढंग से वाहनों की पार्किंग न करें। भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर गाड़ियों को जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम भिलाई सभी व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील करता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करें, दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें और सड़क पर अतिक्रमण या अवैध पार्किंग न करें।

भिलाई विद्यालय में मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के शिक्षा विभाग द्वारा बीएसपी में पढ़ने वाले कक्षा आठवीं के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए को भिलाई विद्यालय, सेक्टर 2 के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एबी श्रीनिवास महाप्रबंधक प्रभारी एवं विशिष्ट अतिथि शिखा दुबे, महाप्रबंधक (शिक्षा) भिलाई इस्पात संयंत्र थी। विभिन्न स्कूलों से आमंत्रित प्राचार्य प्राचार्या सुमिता सरकार, रूबी बर्मन रॉय, श्री विजय सिंह पवार, श्रीमती उर्वशी साहू एवं विभिन्न शालाओं के शाला प्रमुख उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शिखा दुबे महाप्रबंधक (शिक्षा) ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि प्रत्येक

विधार्थी में नैसर्गिक प्रतिभा होती है जरुरत है सही देखभाल और निखार की। मुख्य अतिथि एबी श्रीनिवास ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आज इन नन्हे बच्चों को पुरस्कृत करते हुए अत्यंत ही प्रसन्नता हो रही है वास्तव में इन बच्चो की प्रतिभा ने यह साबित कर दिया कि इन्होंने लक्ष्य बनाकर बहुत मेहनत और लगन से अध्ययन किया है उसी का यह परिणाम है कि आज उन्हें उनकी प्रतिभा का परितोषिक मिला है।

बीएसपी के विभिन्न स्कूलों से 26 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। ईएमएमएस सेक्टर 7 से निधि यादव, डी. अनुष्का, देवेन्द्र कुमार निषाद, राजनंदनी सिंह, पृथ्वी सिंह। ईएमएमएस सेक्टर 9 से अलविया सिद्धकी, एकलव्य देवांगन, के. वंशिका, माहीन फातिमा, अर्नव भुई, साँची साव7 ईएमएमएस सेक्टर 6 से ममता पटेल, वरुण, जी.योग्या, एस. दिव्यांशी, विनय मंडावी, अदिति यादव। ईएमएमएस सेक्टर 1 से अनिका, आयत परवीन, अद् या रेड्डी, राइजा परवीन। ईएमएमएस रुआबांधा सेक्टर से न्यासा जोन नन्द, दामिना साहू, नव्या खोब्रागडे, आराध्या गुप्ता, दीपिका कुमारी। सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 10 की प्राचार्या सुमिता सरकार ने आज के गरिमामयी कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अतिथिओं, पालकों, विधार्थियों, शिक्षको, प्रबंधन, विद्यालय प्रबंधन, एवं शिक्षा विभाग सहित प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिनका भी सहयोग मिला उन सभी के प्रति आभार एवं धन्यवाद प्रेषित किया। भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 के प्राचार्य विजय सिंह पवार ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण एवं अहम् योगदान दिया।

कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

सौहार्द, सहमति और सामाजिक समरसता की ओर एक सशक्त कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संवाद से समाधान, मध्यस्थता से सम्मान और सौहार्द से सशक्त समाज का निर्माण के मूल उद्देश्य को साकार करते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय, माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर तथा माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के प्रेरणादायी नेतृत्व में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India" स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा 25 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित पांच

दिवसीय कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया गया।

कम्यूनिटी मीडियेशन अर्थात् सामुदायिक मध्यस्थता ग्रामीण भारत में सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं वैकल्पिक विवाद समाधान की संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं जनहितकारी पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले सामाजिक, पारिवारिक, पड़ोसी, भूमि एवं अन्य सामुदायिक विवादों का न्यायालयों तक पहुँचने से पूर्व ही आपसी संवाद, सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा वाद-मुक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के संकल्प के साथ जिले के पांच ग्राम घुघसीडीह, ननकट्ठी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल का चयन किया गया है। इन ग्रामों से चयनित कुल 15 कम्यूनिटी मीडियेटर्स इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं, जिन्हें Potential Trainers द्वारा कम्यूनिटी मीडियेशन की संपूर्ण प्रक्रिया, उसके व्यावहारिक पक्षों एवं विवाद समाधान के कौशलों का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् ये कम्यूनिटी मीडियेटर्स अपने-अपने ग्रामों में संवाद एवं मध्यस्थता की संस्कृति को सुदृढ़ करते हुए छोटे-छोटे विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।

उपरोक्त कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक समर्पित समन्वय समिति का गठन भी किया गया है, जिसमें स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत की अध्यक्षा सुषमा लकड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर, व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) मुस्कान शर्मा एवं पंकज शर्मा सम्मिलित हैं। यह समिति प्रशिक्षण कार्यक्रम की समस्त गतिविधियों के सुचारू संचालन, समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निरंतर मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी।

इस महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी पहल के सफल आयोजन में जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग का भी बहुमूल्य एवं सराहनीय योगदान रहा है। अधिवक्ता संघ द्वारा प्रदान किया जा रहा सक्रिय सहयोग कम्यूनिटी मीडियेशन को जन-जन तक पहुँचाने तथा न्याय तक सरल एवं सुलभ पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

500 विद्यालयों में पोषण, पर्यावरण और सहभागिता का संगम

रायपुर । छत्तीसगढ़ में विद्यालयों को शिक्षा के साथ पोषण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का केंद्र बनाने की दिशा में सूरजपुर जिले ने बैगलेस डे पर उल्लेखनीय पहल की। जिले के लगभग 500 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में एक साथ पोषण वाटिका निर्माण, न्योता भोजन, अतिरिक्त पूरक पोषण आहार वितरण तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आयोजन किया गया। इस अभिनव पहल में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत विद्यालय परिसरों में सेमी, लौकी, बरबट्टी, खीरा, तरोई सहित विभिन्न मौसमी सब्जियों का रोपण किया गया। इन पोषण वाटिकाओं में तैयार होने वाली ताजी सब्जियों का उपयोग प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत मध्यान्ह भोजन में किया जाएगा। इससे बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलने के साथ प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और पोषण के प्रति व्यवहारिक समझ भी विकसित होगी।

सेवा सेतु केंद्र बना उर्मिला के सपनों का सहारा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा नागरिकों तक शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचाने के लिए संचालित सेवा सेतु केंद्र आम लोगों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम धुरली की छात्रा उर्मिला की सफलता इसकी प्रेरक मिसाल है। सेवा सेतु केंद्र की मदद से उन्हें समय पर स्थायी जाति प्रमाण पत्र मिला, जिससे जावंगा स्थित कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश का उनका सपना साकार हो गया। उर्मिला ने आगे की पढ़ाई के लिए कन्या शिक्षा परिसर, जावंगा में प्रवेश हेतु आवेदन किया था। प्रवेश प्रक्रिया में स्थायी जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य था। ऐसे में उन्होंने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया। केंद्र के कर्मचारियों ने सभी आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की और उन्हें शीघ्र ही स्थायी जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कांस्य पदक विजेता झंडू कुमार को दी बधाई

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर झंडू कुमार जी ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और अदम्य आत्मविश्वास का प्रेरणादायी उदाहरण है।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए पहला पदक जीतना पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह सफलता देश के युवा खिलाड़ियों और दिव्यांग खिलाड़ियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए नई प्रेरणा प्रदान करेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के लिए अनेक पदक जीतेंगे। उन्होंने झंडू कुमार जी को इस शानदार उपलब्धि के लिए पुन: बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने देर शाम सहसपुर लोहारा के ग्रामीण अंचलों का किया दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार देर शाम कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी जंगल, कुम्हारी, खोलवा एवं टाटावाही का दौरा कर ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुंच उनके साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनका तत्काल निराकरण भी किया। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं करते हुए क्षेत्र के विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे तथा ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। दौरे के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत सिंघनपुरी जंगल में शीतला मंदिर परिसर के पास मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपए तथा बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 3 लाख रुपए की घोषणा की गई। वहीं सिंघनपुरी जंगल के आश्रित ग्राम कुम्हारी में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 6.50 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा उप मुख्यमंत्री ने की। ग्राम पंचायत खोलवा में उप मुख्यमंत्री शर्मा ने वीबी-जीरामजी के अंतर्गत नवीन आंगनबाड़ी भवन एवं डोम शेड निर्माण की घोषणा की। साथ ही खोलवा के आश्रित ग्राम कटोरी में आंगनबाड़ी भवन के पास समतलीकरण कार्य के लिए 2 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा भी की। इसी प्रकार उन्होंने ग्राम पंचायत टाटावाही के अंतर्गत धनौरा के वार्ड क्रमांक 13-14 में मंच निर्माण के लिए 5 लाख रुपए तथा शेड निर्माण के लिए 8 लाख रुपए की घोषणा की। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 14 में एक हैंडपंप स्थापना, वार्ड क्रमांक 10 में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड तथा वार्ड क्रमांक 13 में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण कराने की भी घोषणा की। जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, लोहारा नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता संतोष मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि परदेशी पटेल, लाला राम साहू, परेतन वर्मा, भूखन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बच्चों की टोली दिखी तो रुकवाया काफिला, दिलवाई चॉकलेट

उनके जनसम्पर्क दौरे के दौरान एक आत्मीय क्षण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम सिंघनपुरी जंगल के कई बच्चे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के काफ्लि को देखने और उनसे मिलने को चौक पर खड़े दिखे। बच्चों को देखकर उन्होंने तुरंत अपना काफ्लिा रुकवाया और सभी बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत की। इसके बाद वे बच्चों को स्थानीय दुकान लेकर गए और उन्हें चॉकलेट दिलाई।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अभिनव पहल

30 जुलाई को प्रदेश में पहली बार आयोजित होगा 'महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में एक अभिनव पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर प्रदेश में पहली बार 'महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान' का आयोजन 30 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

इस अनूठे अभियान का उद्देश्य मातृशक्ति को पर्यावरण संरक्षण के महाअभियान से जोड़ते हुए वृक्षारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप बालोद जिला प्रशासन ने इस अभियान की व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

वन, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित सभी संबंधित विभाग समन्वित रूप से अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महतारी वंदन योजना से लाभान्वित लगभग 2 लाख 45 हजार महिलाओं के साथ-साथ अन्य इच्छुक महिलाओं एवं समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं तथा अन्य इच्छुक महिलाओं को नि:शुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर पौधे उपलब्ध करा रही हैं, ताकि प्रत्येक महिला 30 जुलाई को अपने घर, आंगनबाड़ी अथवा उपयुक्त स्थान पर पौधरोपण कर सके। महिलाओं ने भी इस महाअभियान को लेकर उत्साहपूर्वक तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

अभियान के अंतर्गत पौधरोपण के लिए आवश्यक पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पौधरोपण के बाद हितग्राही निर्धारित सेल्फी लिंक पर पौधे के साथ अपनी तस्वीर अपलोड कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार हरित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी आधारित अभियानों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

'महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान' मातृशक्ति, प्रकृति और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत संगम बनकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई मिसाल स्थापित करेगा।

शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ेंगे 1200 बच्चेः तीन महीने के 'ब्रिज कोर्स' से तय होगी कक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अप्रवेशी और शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना एक जरूरी कदम है। इसके लिए घर-घर सर्वे कर बच्चों की पहचान करना, विशेष शिक्षण (ब्रिज कोर्स) चलाना और माता-पिता को जागरूक करना मुख्य उपाय हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील नेतृत्व में और वन एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार बीजापुर जिले के सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 1,200 शाला त्यागी (ड्रॉपआउट) और अप्रवेशी बच्चों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने एक विशेष पहल शुरू की है। कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता चौबे के निर्देशन में 9 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के इन बच्चों को पहचानकर आवासीय पोर्टा केबिनों में प्रवेश दिलाया गया है।

घरेलू परिस्थितियों या स्थानीय समस्याओं के कारण पढ़ाई छोड़ चुके इन बच्चों को स्कूल के वातावरण में ढालने के लिए पहले खेलकूद, चित्रकला, नृत्य, टीवी और शैक्षणिक भ्रमण जैसी मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई।

बच्चों की शैक्षणिक क्षमता का आकलन करने और बुनियादी भाषा एवं गणित (संख्या ज्ञान) को मजबूत करने के लिए 90 दिनों का विशेष ब्रिज कोर्स चलाया जा रहा है। ब्रिज कोर्स पूरा होने के बाद एक मूल्यांकन परीक्षा ली जाएगी, जिसके आधार पर बच्चों को उनकी क्षमता के अनुसार उचित कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वर्षों बाद इतनी बड़ी संख्या में बच्चे दोबारा पढ़ाई से जुड़ रहे हैं।

प्रशासन की मंशा के अनुरूप इन बच्चों की देखभाल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। जिला पंचायत बीजापुर के सीइओ ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों (डीईओ, डीएमसी,बीईओ, बीआरसी और संकुल समन्वयकों) की बैठक लेकर निर्देश दिए हैं कि बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

जीवदया ग्रुप ने चलाया एक पेड़ अपनों के नाम अभियान, श्री कृष्ण गौशाला में लगाए 51 पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जीवदया ग्रुप, दुर्ग द्वारा एक पेड़ अपनों के नाम अभियान के अंतर्गत श्री कृष्ण गौशाला, छातागढ़ में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान में **O&yZone Durg-Bhilai** के सहयोग से लगभग 51 पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उन्हें संरक्षित करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के समापन पर जीवदया ग्रुप द्वारा **O&yZone Durg-Bhilai** की टीम का सम्मान किया गया। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके सहयोग एवं समर्पण के लिए स्मृति-चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर जीवदया ग्रुप ने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य की नींव है। साथ ही सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील की गई।

सेवा और सुशासन के 12 वर्षः वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत प्रबुद्धजनों से किया आत्मीय संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेवा और सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रायगढ़ में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रबुद्धजनों के निवास पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की और संवाद किया।

इस क्रम में चौधरी ने कोविड महामारी के दौरान जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए इंसानियत की पाठशाला की शुरुआत कर समाजसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती कल्याणी मुखर्जी से उनके निवास पर भेंट कर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की अलख जगाने का उनका प्रयास समाज के लिए

अनुकरणीय है। वित्त मंत्री ने गायत्री मंदिर के पुजारी हरिराम जी के निवास पहुंचकर उनसे धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा की तथा उनका सम्मान किया। इसके साथ ही उन्होंने श्रीमती ज्योति शर्मा एवं श्री लक्ष्मण शर्मा के निवास पहुंचकर आत्मीय संवाद करते हुए समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना की।

अभियान के दौरान चौधरी ने पटनायक समाज के अध्यक्ष दुर्बादल पटनायक के कौहाकुंडा स्थित निवास पर भी पहुंचकर उनसे मुलाकात की और सामाजिक समरसता एवं जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

सभी प्रबुद्धजनों का वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया तथा उन्हें रामचरितमानस की प्रति भेंट की। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले ऐसे व्यक्तित्व समाज की अमूल्य धरोहर हैं।

उनके अनुभव, विचार और सेवा भाव से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है तथा समाज को सकारात्मक दिशा प्राप्त होती है। प्रबुद्धजनों ने भी वित्त मंत्री ओपी चौधरी के इस आत्मीय जनसंपर्क अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद और सहभागिता बढ़ाने की सार्थक पहल बताया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान बना बदलाव का सशक्त माध्यम, मशरूम उत्पादन से पुष्पा साव ने बदली अपनी तकदीर

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को मिल रही नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। राज्य शासन की प्राथमिकता है कि ग्रामीण महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभ ही न मिले, बल्कि वे स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करते हुए समाज में नई पहचान भी स्थापित करें।

इसी सोच को साकार करने में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। रायगढ़ जिले के ग्राम कुरमापाली की पुष्पा साव की सफलता की कहानी इसी परिवर्तनकारी अभियान का प्रेरक उदाहरण है। कुछ वर्ष पहले तक पुष्पा साव का परिवार पूरी तरह दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर था। दिनभर की कठिन मेहनत के बावजूद इतनी आय नहीं हो पाती थी कि परिवार की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति सहजता से हो सके। बच्चों की पढ़ाई, परिवार का भरण-पोषण और भविष्य की चिंता उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी। सीमित संसाधनों के बीच बेहतर जीवन का सपना साकार होता दिखाई नहीं देता था।

इसी दौरान ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की जानकारी मिली। उन्होंने संस्कार स्व-सहायता समूह से जुड़कर नियमित बचत की शुरुआत की। समूह के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षण, सामुदायिक निवेश निधि तथा बैंक से वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ। यही सहयोग उनके जीवन में बदलाव की मजबूत नींव साबित हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की नीति का लाभ उठाते हुए श्रीमती पुष्पा साव ने सीआईएफ से प्राप्त 10 हजार रुपये की सहायता राशि से अपने घर पर मशरूम उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों का उपयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया। उनके उत्पाद की स्थानीय बाजार में तेजी से मांग बढ़ी, जिससे उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता गया।

व्यवसाय में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने लगभग 70 हजार रुपये का अतिरिक्त निवेश कर मशरूम उत्पादन का विस्तार किया। आज वे मशरूम उत्पादन के माध्यम से सालाना लगभग डेढ़ लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि बच्चों की बेहतर शिक्षा, घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति और भविष्य के लिए बचत करना भी संभव हो पाया है। परिवार के भोजन में मशरूम शामिल होने से पोषण स्तर में भी सकारात्मक सुधार आया है। पुष्पा साव का कहना है कि यदि उन्हें बिहान का मार्गदर्शन और सहयोग नहीं मिला होता तो संभवत: उनका परिवार आज भी मजदूरी पर ही निर्भर रहता। आज वे सम्मानपूर्वक अपना व्यवसाय संचालित कर रही हैं और गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका मानना है कि सही प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं का लाभ और निरंतर मेहनत किसी भी व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान आज प्रदेश की लाखों ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत आधार बन चुका है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय सहायता, कौशल विकास, उद्यमिता प्रशिक्षण तथा विपणन के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ब्लैक लहंगे में जाह्नवी कपूर का कातिलाना अंदाज, डीप-नेक ब्लाउज ने लूटी महफिल

बॉलीवुड की यंग जनरेशन की सबसे चर्चित और फैशनेबल अभिनेत्रियों में से एक, जाह्नवी कपूर अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से कभी पीछे नहीं हटतीं।

हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। इस बार जाह्नवी ने ऑल-ब्लैक एथनिक लुक चुना है, जिसमें उनका ग्लैमर और बोल्डनेस साफ झलक रही है।

जाह्नवी कपूर के इस लुक की सबसे बड़ी यूएसपी उनका खूबसूरत ब्लैक लहंगा है। उन्होंने एक डीप-नेकलाइन वाला ब्लाउज कैरी किया है, जिस पर चमकीले रंगों की बेहद बारीक और हैवी एम्ब्रॉयडरी की गई है। ब्लाउज के निचले हिस्से पर लगे रंग-बिरंगे लटकन उनके लुक को थोड़ा फंकी और अट्रैक्टिव टच दे रहे हैं।

इसके साथ ही, लहंगे के बॉर्डर पर की गई हेरिटेज कढ़ाई और लाल रंग की पाइपिंग उनके पूरे आउटफिट को शाही लुक दे रही है। साथ में ब्लैक शीयर दुपट्टा उनके इस स्टाइल को मुकम्मल कर रहा है।

तस्वीरों में जाह्नवी कपूर का कॉन्फिडेंस देखने लायक है। कभी वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी नशीली आंखों से जादू बिखेर रही हैं, तो कभी साइड प्रोफाइल फ्लॉन्ट करते हुए कैंडिड पोज दे रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर और एब्स फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

जाह्नवी ने न्यूड-ग्लॉसी मेकअप, सटल ब्लश और माथे छोटी सी लाल बिंदी के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। जाह्नवी ने अपने बालों को वेवी रखते हुए खुला छोड़ा है, जो उनके कंधों पर बिखरकर उनके लुक को और भी सिडक्टिव बना रहे हैं।

ज्वेलरी की बात करें तो, उन्होंने कानों में बड़े झुमके, हाथों में मैचिंग भारी कंगन और नाक में एक छोटी सी नथ पहनी है, जो उनके इस एथनिक ग्लैमर को और अधिक निखार रही है।

बड़े पर्दे पर पहली बार खुद को देख इमोशनल हुईं डोनल बिष्ट, बोलीं- अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म एमआरपी से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था।

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया। मेरे मन में सिर्फ आभार है और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने टीवी और वेब प्लेटफॉर्म पर काम किया है, लेकिन खुद को पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखना बहुत भावुक कर देने वाला था। हर नया अवसर मुझे कुछ नया सिखाता है और इस फिल्म ने मुझे फिल्म निर्माण को एक नए नजरिए से समझने का मौका दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि एक कलाकार के तौर पर अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है।

डोनल ने यह भी कहा कि वह आगे भी हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु सिनेमा में काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, फिल्मों की दुनिया में यह मेरा पहला कदम है और अब तक मिले हर प्यार और समर्थन के लिए मैं दिल से आभारी हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि आगे भी ऐसे सार्थक प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूं और एक कलाकार के रूप में लगातार आगे बढ़ती रहूं।

घुड़सवारी, चाकू और बंदूक चलाना सीखा, 'रणबाली' के लिए विजय देवरकोंडा ने ली सख्त ट्रेनिंग

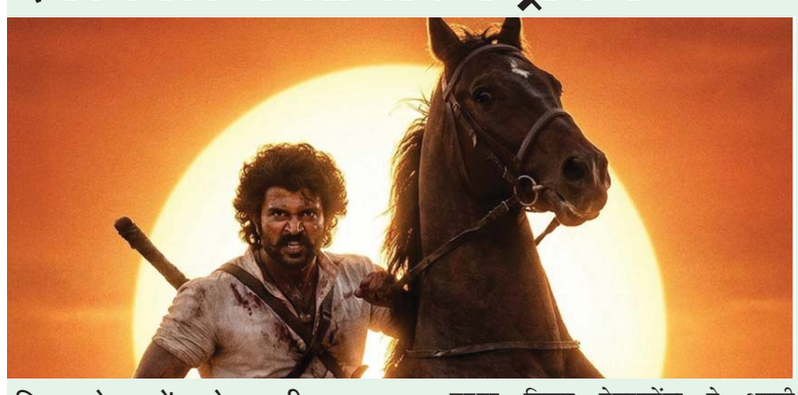

विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म में अपने किरदार में असर लाने के लिए कई तरह की ट्रेनिंग ली है। इन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि उनका किरदार असली लगे।

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

इंडिया टुडे ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्कफ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

'फिल्में युवाओं को प्रभावित करती हैं' सेंसरशिप के समर्थन में उतरे रवि किशन

'मिर्जापुर' रिलीज से पहले दिया बड़ा बयान....

वेब सीरीज 'मिर्जापुर - द मूवी' की रिलीज से पहले एक्टर और सांसद रवि किशन ने फिल्मों में सेंसरशिप का समर्थन करते हुए कहा है कि सिनेमा का समाज और खासकर युवाओं पर गहरा असर पड़ता है। उनका मानना है कि फिल्मकारों को अभिव्यक्ति की आजादी के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

शुक्रवार, 24 जुलाई को 'आइडिया एक्सचेंज इवेंट' में रवि किशन से एक्टर दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' से जुड़े हालिया सेंसरशिप विवाद पर सवाल किया गया। इस फिल्म को कथित तौर पर सर्टिफिकेट नहीं मिला था और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के दो दिन बाद ही हटा लिया गया। इस पर रवि किशन ने कहा कि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि संभवत: इसमें किसी तरह की संवेदनशीलता का मुद्दा रहा होगा। उनके मुताबिक, उन्हें सिर्फ इतना पता है कि फिल्म रिलीज हुई और बाद में हटा दी गई।

रवि किशन ने कहा कि मनोरंजन के नाम पर किसी समुदाय की भावनाओं को आहत नहीं किया जाना चाहिए और न ही ऐतिहासिक घटनाओं को गलत तरीके से पेश किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि फिल्मकारों और स्टार्स को स्क्रिप्ट लिखते और फिल्म बनाते समय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का ध्यान रखना चाहिए। रवि किशन ने आगे बताया, हम जो बनाते हैं उसका असर युवाओं पर पड़ता है। इसलिए फिल्में बनाते समय जिम्मेदारी बेहद जरूरी है। साथ ही, रवि किशन ने अपनी फिल्मों और वेब सीरीज 'मां बहन', 'मामला लीगल है' और फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण देते हुए कहा कि ये प्रोजेक्ट बिना किसी बड़े विवाद के रिलीज हुए।

इतिहास को सही तरीके से दिखाने की सलाह

रवि किशन ने बताया कि पहले लोगों को गलत इतिहास पढ़ाया जाता था और किताबें तक जला दी जाती थीं। उनका मानना है कि फिल्मों में ऐतिहासिक घटनाओं को बेहद सावधानी और तथ्यात्मक तरीके से पेश किया जाना चाहिए।

सेंसरशिप कोई नई बात नहीं

बता दें, रवि किशन ने बताया कि भारत में सेंसरशिप का मुद्दा नया नहीं है। उन्होंने 1970 के दशक के आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में भी कई फिल्मों और स्टार्स को सेंसरशिप का सामना करना पड़ा था। उन्होंने फिल्म 'शोले' और गायक किशोर कुमार का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। दरअसल, 4 सितंबर को रिलीज होगी 'मिर्जापुर -द मूवी' रवि किशन अब 'मिर्जापुर -द मूवी' में नजर आएंगे। अमेजन प्राइम वीडियो की फेमस वेब सीरीज पर आधारित ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या खराब नींद से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है? जानिए

हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो दिल की बीमारियों और अन्य कई जटिलताओं का कारण बन सकती है। नींद की गुणवत्ता का हाई ब्लड प्रेशर पर गहरा असर पड़ता है। अगर आप रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं तो इससे आपकी धड़कनें तेजी से चलने लगती हैं और आपका ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। आइए जानें कि सोने से पहले की गई गलतियां हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं।

सोने से पहले भारी खाना खाना

सोने से पहले भारी खाना खाना एक आम गलती है, जिसे हमें सुधारने की जरूरत है। रात का खाना सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले कर लेना चाहिए।

भारी खाने से पेट पर दबाव पड़ता है, जिससे नींद खराब हो सकती है और ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है। इसके अलावा भारी खाने से एसिडिटी और पेट से जुड़ी अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकती हैं।

चाय या कॉफी का सेवन करना

सोने से पहले चाय या कॉफी जैसे पेय पदार्थों का सेवन भी हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है। इनमें कैफीन होता है, जो नींद को प्रभावित कर सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है।

कैफीन से शरीर में उत्तेजना बढ़ती है, जिससे नींद आने में दिक्कत होती है और ब्लड प्रेशर भी अस्थिर हो सकता है। इसलिए रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें।

मोबाइल या टीवी का उपयोग करना

रात को सोने से पहले मोबाइल फोन, लैपटॉप या टीवी का उपयोग करना भी एक गलत आदत है। इन उपकरणों से निकलने वाली नीली रोशनी हमारी आंखों और दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिससे नींद आने में कठिनाई होती है।

इसके अलावा रात में इनका उपयोग करने से हमारा दिमाग सक्रिय रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सोने से पहले इनका उपयोग न करें।

तनावपूर्ण काम करना

सोने से पहले किसी भी प्रकार के तनावपूर्ण काम करना भी सही नहीं है। जैसे कि काम का बोझ या कोई गंभीर चर्चा करना इनसे बचना चाहिए। इनसे हमारा मन अशांत रहता है, जिससे नींद अच्छी नहीं आती और ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है।

बेहतर होगा कि सोने से पहले कुछ हल्की-फुल्की गतिविधियां करें जैसे कि किताब पढ़ना या संगीत सुनना, जिससे मन शांत रहता है और नींद अच्छी आती है।

शराब का सेवन करना

रात को शराब पीना भी एक गलत आदत है। भले ही कुछ लोग मानते हों कि शराब पीने से नींद जल्दी आ जाती है, लेकिन यह गलत है। शराब पीने से नींद अच्छी नहीं आती और बार-बार उठना पड़ता रहता है।

इसके अलावा शराब पीने से ब्लड प्रेशर अस्थिर हो सकता है। इसलिए रात को शराब पीने से बचना चाहिए और इसके बजाय पानी या हर्बल चाय पीनी चाहिए।

समुद्र के अंदर 'I Love You'

करण-तेजस्वी का अंडरवॉटर प्रपोजल देख फैंस बोले- 'ये किसी फिल्म से कम नहीं'

मॉरिशस में स्कूबा डाइविंग के दौरान करण कुंद्रा ने पानी के अंदर तेजस्वी प्रकाश को रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया। दोनों का 'आई लव यू' वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मॉरिशस में छुट्टियां मना रहे करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश का एक रोमांटिक अंडरवॉटर वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्कूबा डाइविंग के दौरान करण ने पानी के अंदर घुटनों पर बैठकर तेजस्वी को मजाकिया अंदाज में प्रपोज किया, जिसके बाद दोनों का 'I Love You' वाला मोमेंट्स फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया।

करण समुद्र में घुटनों के बल बैठकर इशारों में तेजस्वी को प्रपोज करते हैं

करण कुंद्रा ने हाल ही में मॉरिशस वेकेशन का अपना ट्रैवल व्लॉग शेयर किया है। इस व्लॉग में दोनों को समुद्र के अंदर स्कूबा डाइविंग करते और रंग-बिरंगी समुद्री दुनिया का आनंद लेते देखा जा सकता है। हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा उस पल की हो रही है।

बता दें, वीडियो में पहले करण और तेजस्वी अपने हाथों से हार्ट शेप बनाते नजर आते हैं। इसके बाद करण घुटनों के बल बैठकर इशारों में तेजस्वी को प्रपोज करते हैं। पानी के अंदर बोलना संभव नहीं होने की वजह से दोनों ने हाथों के इशारों से ही अपनी भावनाएं जाहिर कीं, जिसमें करण ने इशारों में 'आई लव यू' कहा, जबकि तेजस्वी ने मुस्कुराकर उसका जवाब दिया। दोनों का ये रोमांटिक पल व्लॉग का सबसे खास हिस्सा बन गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा।

वीडियो सामने आने के बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में दोनों पर जमकर प्यार लुटाया। कई लोगों ने इस अंडरवॉटर प्रपोजल को फिल्म जैसा बताया, जबकि कई यूजर्स ने लिखा कि ये किसी रोमांटिक फिल्म का सीन लगता है। फैंस ने करण और तेजस्वी की केमिस्ट्री की भी खूब तारीफ की।

बिग बॉस से शुरू हुई थी दोनों की लव स्टोरी

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की मुलाकात और प्यार की शुरुआत 'बिग बॉस 15' के दौरान हुई थी। शो खत्म होने के बाद भी दोनों का रिश्ता लगातार मजबूत होता गया और आज वे टीवी इंडस्ट्री के सबसे चर्चित कपल्स में गिने जाते हैं। दरअसल, इस साल की शुरुआत में करण ने रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' में हीरे की अंगूठी के साथ तेजस्वी को आधिकारिक तौर पर प्रपोज किया था। हालांकि, दोनों ने ये भी बताया था कि तेजस्वी की मां की सलाह और करण के माता-पिता के समर्थन से उन्होंने शादी से पहले साथ रहकर एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने का फैसला किया है, ताकि करियर और रिश्ते के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सके।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेजस्वी प्रकाश हाल ही में सीरीज 'साइको सैयां' में नजर आई हैं। इसके अलावा वो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया' की फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं। वहीं, करण और तेजस्वी रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में भी साथ दिखाई दिए थे, जहां उनकी जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई थी।

मोर गांव, मोर पानी अभियान से घोघर बना जल संरक्षण का प्रेरक मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के संकल्प को जशपुर जिले में प्रभावी रूप से साकार किया जा रहा है। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण के अंतर्गत संचालित मोर गांव, मोर पानी महाअभियान के तहत बगीचा विकासखंड की ग्राम पंचायत घोघर में 3000 वाटर एब्जॉर्प्शन टैंकों का निर्माण किया गया है।

यह पहल वर्षा जल संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण और टिकाऊ कृषि व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि बनकर सामने आई है।

जशपुर जिले में जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से ग्रामीणों को वर्षा जल के महत्व, भू-जल संरक्षण तथा भविष्य में संभावित जल संकट से निपटने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया है। अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन कर भू-जल स्तर में सुधार लाना और जल संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग सुनिश्चित करना है।

घोघर में बनाए गए वाटर एब्जॉर्प्शन टैंक वर्षा के पानी को भूमि के भीतर समाहित कर भू-जल स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे खेतों में लंबे समय तक नमी बनी रहेगी, सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा और किसानों की फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। साथ ही यह पहल भविष्य में जल संकट और सूखे जैसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

मोर गांव, मोर पानी महाअभियान जल संरक्षण के साथ-साथ जनभागीदारी को भी बढ़ावा दे रहा है। ग्राम पंचायत घोघर में ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से 3000 वाटर एब्जॉर्प्शन टैंकों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इससे जल संरक्षण के प्रति लोगों में जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना मजबूत हुई है।

घोघर की यह पहल न केवल जल सुरक्षा और भू-जल संवर्धन को नई दिशा दे रही है, बल्कि कृषि उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। यह मॉडल अब अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनकर उभर रहा है।

खास-खबर

सबाका को मिली डिजिटल कनेक्टिविटी की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और दूरस्थ क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की संवेदनशील पहल के तहत, प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुसबाका में नए मोबाइल नेटवर्क टॉवर का सफलतापूर्वक संचालन शुरू हो गया है। वर्षों से मोबाइल नेटवर्क की समस्या झेल रहे ग्रामीणों के लिए यह बड़ी राहत और विकास की नई शुरुआत है। बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 65 से 70 किलोमीटर दूर स्थित पुसबाका अब बेहतर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा से जुड़ गया है। मोबाइल टॉवर शुरू होने से गांव और आसपास के क्षेत्रों में संचार व्यवस्था मजबूत हुई है तथा लोगों को डिजिटल सेवाओं का लाभ आसानी से मिलने लगा है। अब ग्रामीण मोबाइल कॉल, वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाओं और अन्य इंटरनेट आधारित सुविधाओं का सहज उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, किसानों, महिलाओं और व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा।

स्व-सहायता समूह ने बदली पूनम देवी की जिंदगी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार आधारित योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से जशपुर जिले की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में दुलदुला विकासखंड के ग्राम सिमड़ा की श्रीमती पूनम देवी सफलता की नई मिसाल बनकर उभरी हैं। गणेश महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य पूनम देवी आज 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। कभी परिवार की आजीविका के लिए मजदूरी पर निर्भर रहने वाली पूनम देवी ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा दी। समूह के माध्यम से उन्हें बचत, ऋण सुविधा और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी मिली।

शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला : वन मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक कल्याणकारी पहल हैद्य इस योजना के तहत कक्षा 9वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) परिवारों की छात्राओं को स्कूल आने-जाने के लिए नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है । छत्तीसगढ़ शासन की नि:शुल्क सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना के तहत कोण्डागांव जिले के मड़ानार और मर्दापाल में 238 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मड़ानार में आयोजित कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़ानार, सोनाबाल और गोलावंड की 57 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। वहीं मर्दापाल में मर्दापाल, हसलनार, मटवाल, कांगा, नवागांव और खड़पड़ी की 181 छात्राओं को योजना का लाभ मिला।

वन मंत्री केदार कश्यप ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शासन की सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना का उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों की छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अध्ययन कर अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। वन मंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को किया याद

मंत्री कश्यप ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनके संघर्ष के कारण देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि बस्तर के वीर सेनानियों का भी स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विद्यार्थियों से उन्होंने देशभक्ति की भावना बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर क्षेत्र तेजी से विकास और शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस परिवर्तन में पुलिस एवं सुरक्षा बलों के योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा भगवान जगन्नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश एवं रायगढ़ जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े तथा सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल का वास हो। उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से भी आत्मीय मुलाकात की और सभी के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के जयघोष के साथ पूजा-अर्चना में सहभागिता की। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों के सुखद, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए भगवान जगन्नाथ से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से बदली नीलिमा की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना प्रदेश के युवाओं को हुनर, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। योजना के तहत युवाओं को विभिन्न रोजगारपरक ट्रेडों में नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी योजना का लाभ लेकर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम मोहला की निवासी श्रीमती नीलिमा देवांगन ने अपने जीवन को नई दिशा दी है। आज वे अपने घर से सिलाई का सफल स्वरोजगार संचालित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ परिवार की आय में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

श्रीमती नीलिमा देवांगन ने जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, मोहला में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत सिलाई (टेलरिंग) ट्रेड का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने

बताया कि इस प्रशिक्षण की जानकारी उन्हें अपनी सहेलियों के माध्यम से मिली। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्होंने प्रशिक्षण में प्रवेश लिया और पूरी लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सिलाई-कढ़ाई की आधुनिक तकनीकों, मशीन संचालन, परिधानों की कटिंग एवं सिलाई सहित व्यवसाय से जुड़ी व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारियां दी गईं। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन ने उनके कौशल को निखारने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी से रायगढ़ वुशू क्लब के युवा खिलाड़ियों ने की आत्मीय मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी से रायगढ़ वुशू क्लब के युवा खिलाड़ियों ने उनके रायगढ़ स्थित कार्यालय में आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित वुशू स्टेट चौंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वुशू स्टेट चौंपियनशिप में पदक जीतने वाले तथा राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। खेल के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगी।

श्री चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने खिलाड़ियों से भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रायगढ़, छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर रायगढ़ वुशू क्लब के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी के आत्मीय स्नेह, प्रोत्साहन और शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

भटके मासूम को मिला अपना परिवार: बाल कल्याण समिति बालोद की पहल बनी नई जिंदगी की उम्मीद

एक वर्ष तक परिजनों की तलाश के बाद किया गया फॉस्टर केयर प्लेसमेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एक वर्ष पहले बालोद रेलवे स्टेशन पर भटकता हुआ मिला नौ वर्षीय बालक आज एक नए परिवार के स्नेह और सुरक्षा के बीच अपने जीवन की नई शुरुआत करने जा रहा है। जिला प्रशासन बालोद और बाल कल्याण समिति की संवेदनशील पहल ने उस मासूम को न केवल आश्रय दिलाया, बल्कि उसे एक ऐसा परिवार भी मिला जो अब उसके पालन-पोषण, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी निभाएगा।

कलेक्टर एवं जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशन में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के सभी कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए बालक समीर (बदला हुआ नाम) का सफल फॉस्टर केयर प्लेसमेंट बिलासपुर जिले के रतनपुर निवासी धीवर परिवार में कराया गया।

अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अमित सिन्हा ने पुनर्वास आदेश सौंपते हुए बालक और उसके नए परिवार को शुभकामनाएँ दीं तथा उनके सुखद, सुरक्षित और स्नेहपूर्ण भविष्य की कामना की।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अमित सिन्हा ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व यह बालक बालोद रेलवे स्टेशन पर भटकता हुआ मिला था। रेलवे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसका रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके बाद समिति ने किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप बालक के माता-पिता एवं परिजनों की तलाश के लिए व्यापक प्रयास किए। राष्ट्रीय समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित कराई गई और विभिन्न स्तरों पर खोजबीन की गई, लेकिन निर्धारित अवधि तक कोई भी परिजन सामने नहीं आया।

इस अवसर पर बालक को उपहार भी भेंट किए गए, ताकि वह नए परिवार के साथ आत्मीयता और अपनत्व का अनुभव करते हुए अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत कर सके। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री कृष्णा साहू एवं समिति के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

चार माह तक प्रयासों के बाद मिला फॉस्टर केयर के लिए परिवार

बालक के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए बाल कल्याण समिति ने उसके लिए ऐसे इच्छुक परिवार की तलाश शुरू की, जो उसे पारिवारिक वातावरण, सुरक्षा, स्नेह और बेहतर भविष्य प्रदान कर सके। लगभग चार माह तक लगातार किए गए प्रयासों के बाद बिलासपुर जिले के रतनपुर निवासी धीवर परिवार ने बालक को फॉस्टर केयर के तहत अपने परिवार का हिस्सा बनाने की सहमति दी। इसके बाद जिला बाल संरक्षण इकाई बालोद एवं सीईएसी के सहयोग से सभी आवश्यक कानूनी और सामाजिक प्रक्रियाएँ पूरी की गईं। बाल कल्याण समिति द्वारा बालक के पुनर्वास का आदेश जारी करते हुए उसे विधिवत धीवर परिवार को सौंपा गया।

जल संरक्षण से बदली किसानों की तस्वीर, राजपुर का सामुदायिक चेक डेम बना ग्रामीण समृद्धि का मॉडल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए किए जा रहे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड की ग्राम पंचायत राजपुर में निर्मित सामुदायिक चेक डेम आज जल संरक्षण, रोजगार सृजन और कृषि समृद्धि का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। इस परियोजना ने न केवल वर्षा जल को संरक्षित किया है, ग्राम पंचायत राजपुर में भागवत के खेत के समीप निर्मित इस सामुदायिक चेक डेम के निर्माण के लिए 16.02 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी।

खास खबर

बीजापुर वनमंडल कार्यालय में चौकीदार की संदिग्ध मौत

बीजापुर। बीजापुर जिला मुख्यालय स्थित वनमंडल कार्यालय में पदस्थ चौकीदार लिंगम चंद्रू की शनिवार (25 जुलाई) नाईट ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह उनका शव कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के पास मिला। घटना की सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारियों और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिंगम चंद्रू बीती रात अपनी नियमित ड्यूटी पर तैनात थे। सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो उनका शव मुख्य गेट के अंदर मिला। बताया जा रहा है कि मुख्य गेट अंदर से बंद था। घटना की जानकारी सामने आते ही वनमंडल कार्यालय में शोक का माहौल बन गया। सहकर्मियों और विभागीय अधिकारियों ने घटना पर दुख जताया। फिलहाल चौकीदार की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले को जांच में लेकर सभी पहलुओं से पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

बिना वेरिफिकेशन मकान किराए पर देने पर होगी कार्रवाई

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में अब बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को किराये पर मकान देना महंगा पड़ सकता है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मयंक चतुर्वेदी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता , 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर किरायेदारों का पुलिस सत्यापन और उनकी जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को देना अनिवार्य कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि कुछ असामाजिक तत्व शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में किराये के मकानों में रहकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। अधिकांश मकान मालिक किरायेदारों और घरेलू सहायकों का पुलिस सत्यापन नहीं कराते, जिससे अपराधों की रोकथाम और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी में परेशानी होती है। इसी को देखते हुए यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, यह नियम केवल नए किरायेदारों पर ही नहीं बल्कि पहले से रह रहे किरायेदारों पर भी लागू होगा। सभी भवन स्वामियों को किरायेदार का नाम, स्थायी पता, मोबाइल नंबर और वैध पहचान पत्र की जानकारी अपने रिकॉर्ड में सुरक्षित रखनी होगी तथा इसकी सूचना संबंधित पुलिस थाने में भी उपलब्ध करानी होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को किराये पर मकान नहीं दिया जाएगा।

पान लेने के विवाद पर धारदार हथियार से हमला

रायपुर। रायपुर में मामूली विवाद के बाद एक निजी कंपनी के कर्मचारी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। घटना में युवक के सिर और गाल पर चोट आई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। खमतराई पुलिस के मुताबिक, रामेश्वर नगर भनपुरी निवासी पवन शर्मा निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 24 जुलाई की रात करीब 10 बजे वे दर्री तालाब के पास स्थित राजेश के पान ठेले पर पान लेने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ अज्ञात युवक भी सामान ले रहे थे। पवन का आरोप है कि जिन सामान की उन्होंने मांग की थी, उसे युवकों ने पहले ले लिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी भड़क गए। आरोपियों ने पहले मां-बहन की गालियां दीं और फिर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों के साथ मौजूद एक युवक ने विवाद के बाद अपने पास रखे धारदार हथियार से पवन पर हमला कर दिया। वार उनके सिर और बाएं गाल पर लगा, जिससे वे घायल हो गए। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: अवैध अतिक्रमण हटाकर वनभूमि कराई मुक्त, तत्काल शुरू किया गया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए जशपुर वनमण्डल द्वारा वनभूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 23 जुलाई 2026 को वन परिक्षेत्र सन्ना के दो अलग-अलग स्थानों पर अतिक्रमण हटाकर शासकीय वनभूमि को मुक्त कराया गया तथा मुक्त कराई गई भूमि पर तत्काल पौधरोपण का कार्य प्रारंभ किया गया।

वन परिक्षेत्र सन्ना के ग्राम सुलेसा स्थित कक्ष क्रमांक पी-107 में लगभग 0.669 हेक्टेयर वनभूमि पर अनिल राजवाड़े द्वारा किए जा रहे अवैध अतिक्रमण की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार कार्रवाई की। अवैध कब्जा हटाकर संपूर्ण वनभूमि को विभाग के आधिपत्य में लिया गया। इसके साथ ही भूमि को पुनः हरित स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से उसी दिन पौधरोपण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। इस पहल से क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने और जैव विविधता के संरक्षण को बल मिलेगा।

ग्राम चुंदापाठ में अवैध निर्माण हटाकर वनभूमि कराई मुक्त: इसी दिन वन परिक्षेत्र सन्ना के ग्राम चुंदापाठ स्थित कक्ष क्रमांक पी.एफ 109 के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सूर्यनारायण यादव, पिता जानकी यादव, निवासी चुंदापाठ द्वारा वनभूमि पर पत्थरों की घेराबंदी कर ईंटों से छपरी का निर्माण कर उसमें मवेशी रखे जा रहे थे। वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया और संबंधित व्यक्ति को वनभूमि से बेदखल कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

वनभूमि संरक्षण के लिए सतत अभियान जारी: जशपुर वनमण्डल द्वारा वनभूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण, निर्माण एवं कब्जे के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभाग का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना नहीं, मुक्त कराई गई भूमि पर पौधरोपण एवं प्राकृतिक पुनर्जीवन के माध्यम से वनों का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना भी है।

वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि शासकीय वनभूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण न करें। यदि कहीं भी वनभूमि पर अतिक्रमण अथवा वन अपराध की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम वन कार्यालय को दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा सके। जशपुर वनमण्डल ने स्पष्ट किया है कि वन संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

डॉक्टर ने लड़के का प्राइवेट पार्ट टच किया, मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने पहुंचा था 10वीं का छात्र, एडॉप्शन सेंटर का संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने गए 10वीं के छात्र से अश्लील हरकत हुई है। बोरसी स्थित एडॉप्शन सेंटर के डॉक्टर सुधीर हिसीकर (61) ने जांच के दौरान लड़के के प्राइवेट पार्ट को टच किया और उसे गले लगाया। इस आरोप के बाद पुलिस ने डॉक्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है।

आरोपी डॉक्टर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। वह सेवा भारती मातृ छाया एडॉप्शन सेंटर का संचालक भी है। घटना भी इसी सेंटर की है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग को सेंटर की जांच करने और उसका पंजीयन रद्द करने के निर्देश दिए हैं। इस सेंटर से विदेश समेत कई राज्यों में 12 बच्चों को गोद दिया जा चुका है।

आयुर्वेद डॉक्टर है आरोपी

आरोपी डॉक्टर सुधीर मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला है। उसने आयुर्वेद चिकित्सा की डिग्री (बीएएमएस) प्राप्त की है। उनकी पत्नी भी डॉक्टर हैं और ग्राम अंडा में संविदा पर पदस्थ हैं। इसके साथ ही पति-पत्नी सेवा भारती मातृ छाया एडॉप्शन सेंटर का भी संचालन करते हैं।

दोस्त का मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने गया था छात्र

पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार (24 जुलाई) दोपहर की है। 10वीं कक्षा का एक छात्र अपने दोस्त का मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए बोरसी स्थित एडॉप्शन सेंटर पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान डॉक्टर सुधीर हिसीकर ने उसके साथ अश्लील हरकत की। छात्र किसी तरह वहां से निकलकर घर पहुंचा और परिवार वालों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन छात्र को लेकर पद्मनाभपुर थाना पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुलिस ने तत्काल पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी डॉक्टर से पूछताछ की। इसके बाद शनिवार (25 जुलाई) को उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि जांच केवल क्लीनिक तक सीमित नहीं रहेगी। आरोपी जिस मातृ छाया एडॉप्शन सेंटर का संचालन करता है, उसकी कार्यप्रणाली की भी जांच की जाएगी। यह पता लगाया जाएगा कि सेंटर का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप किया जा रहा था या नहीं। मातृ छाया एडॉप्शन सेंटर राज्य के बड़े एडॉप्शन सेंटरों में शामिल है। यहां अनाथ और बेसहारा बच्चों की देखभाल की जाती है। बच्चों को गोद देने की प्रक्रिया जिला प्रशासन और कलेक्टर कार्यालय की निगरानी में पूरी होती है।

कलेक्टर ने पंजीयन रद्द करने के दिए निर्देश

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम को एडॉप्शन सेंटर भेजकर जांच के निर्देश दिए। साथ ही सेंटर का पंजीयन रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भी कहा है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफभी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रॉपर्टी-डीलर को पिता-बेटे ने दी जान से मारने की धमकी: एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के कुरूद इलाके में रहने वाले एक प्रॉपर्टी डीलर ने जमीन दलाली के पैसे को लेकर पिता-पुत्र, उनके एक साथी पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस में शिकायत के मुताबिक सुंदर विहार कॉलोनी फेस-1 कुरूद निवासी प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि, वह कई सालों से जमीन खरीदी-बिक्री का काम करता है। इसी दौरान साल 2024 में उसकी पहचान आशीष प्रधान और उसके पिता कीर्तीचंद से हुई थी। इसके बाद दोनों के साथ भी जमीन से जुड़े कई सौदे किए गए।

शिकायतकर्ता ने बताया कि 25 जुलाई की सुबह करीब 9.30 बजे वह अपने घर पर मौजूद था। उस समय उसके दोस्त सुनील सिंह और ज्ञानदास भी जमीन से जुड़े काम के सिलसिले में घर आए हुए थे। इसी दौरान सुबह करीब 9.47 बजे कीर्तीचंद का उसके मोबाइल पर फोन आया।

उसने फोन स्पीकर पर रखकर बात की। आरोप है कि बातचीत के दौरान कीर्तीचंद ने जमीन दलाली के पैसे का आरोप लगाते हुए अश्लील गालियां दीं और शहर छोड़ने की धमकी दी। साथ ही कहा कि यदि शहर नहीं छोड़ा तो जान से मार दिया जाएगा।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पीड़ित का कहना है कि, इसके कुछ देर बाद करीब 10.15 बजे आशीष प्रधान का भी फोन आया। शिकायत के अनुसार आशीष ने अपने साथी असलम शेख के साथ मिलकर जमीन दलाली के पैसे को लेकर फिर से गाली-गलौज की।

पीड़ित ने कहा कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण वह और उसका परिवार डरे हुए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस फोन कॉल और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग में मंदिर के पुजारी के घर चोरी की कोशिश परिवार के लौटते ही छत से भागा आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग के पुलगांव इलाके में एक मंदिर के पुजारी के घर चोरी की कोशिश हुई है। परिवार के साथ बाहर खाना खाने गए पुजारी जब देर रात घर लौटे तो घर का मुख्य गेट टूटा मिला। अंदर जाने पर एक युवक घर की छत की ओर भागता दिखाई दिया। परिवार ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों ने पीछा कर आरोपी को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मामला पुलगांव थाना क्षेत्र का है। बजरंग चौक पुलगांव निवासी अकांशु मिश्रा (30) महेश कॉलोनी स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में पुजारी हैं। 24 जुलाई की रात करीब 10 बजे वे परिवार के साथ मोहन नगर थाना के सामने स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे। रात करीब 11:30 बजे जब पूरा परिवार वापस घर पहुंचा तो देखा कि घर की लाइट जल रही थी। बाहर लगे गेट का ताला टूटा हुआ था।

अकांशु मिश्रा ने बताया कि, जैसे ही वे घर के अंदर पहुंचे, एक युवक तेजी से छत की ओर भागता दिखाई दिया। परिवार ने तुरंत शोर मचाया। इसके बाद आरोपी दीवार फांदकर गांव की तरफ भागने लगा। परिवार लगातार चोर-चोर चिल्लाता रहा। आवाज सुनकर आसपास के युवक मौके पर पहुंचे और कुछ दूरी पर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सन्नी देशमुख (33) निवासी मिलपारा, सीताराम राइस मिल के पास, दुर्ग बताया। इसके बाद उसे पुलगांव पुलिस के हवाले कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि, यही युवक पहले भी उनके घर में चोरी की

कोशिश कर चुका है। उस समय मोहल्ले के लोगों के समझाने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। लेकिन दोबारा उसी तरह की घटना होने के बाद उन्होंने इस बार थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अकांशु मिश्रा ने पुलिस को बताया कि घटना के समय उनकी मां भगवती मिश्रा, भाई प्रियांशु मिश्रा और पत्नी स्वाकति मिश्रा भी घर पर मौजूद थीं और उन्होंने आरोपी को घर से भागते देखा।

पुलगांव के पार्षद अश्वनी निषाद और प्रियांशु मिश्रा आरोपी को पकड़कर थाना लेकर पहुंचे। पुलगांव पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने अकेले वारदात को अंजाम देने की कोशिश की थी या उसके साथ कोई और भी शामिल था। साथ ही उसके पुराने रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

बीएसपी से कोक-कोयले की भी हो रही थी चोरी:रात में फ्लू डस्ट के नीचे छिपाकर बाहर भेजते थे स्क्रैप और कोयला, 16वां आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में करोड़ों के स्क्रैप चोरी मामले की जांच में अब एक नया एंगल सामने आया है। अब तक इस पूरे मामले में सिर्फ लौह स्क्रैप की चोरी की बात सामने आ रही थी, लेकिन दुर्ग पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह फ्लू डस्ट की आड़ में कोक और कोयला भी संयंत्र से बाहर निकाल रहा था।

गिरफ्तार 16वें आरोपी लोडर ऑपरेटर ने पूछताछ में इसकी जानकारी दी है। उसके बयान के बाद पुलिस अब कोक और कोयला चोरी के नेटवर्क की भी पड़ताल कर रही है। यानी स्क्रैप चोरी के इस मामले में जांच का दायरा अब और बढ़ गया है।

पुरानी भिलाई पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान हेमंत देवांगन (22) निवासी ग्राम मोखा, जिला धमतरी के रूप में हुई है। वह हिमांशु ब्रदर्स कंपनी में लोडर ऑपरेटर के तौर पर काम करता था।

पूछताछ में उसने बताया कि गिरोह के सदस्य रात के समय फ्लू

डस्ट की लोडिंग के दौरान लौह स्क्रैप के साथ-साथ कोक और कोयले को भी फ्लू डस्ट के नीचे छिपाकर हाईवा वाहनों से संयंत्र के बाहर भेजते थे।

पुलिस का कहना है कि जांच में ऐसे पर्याप्त सबूत मिले हैं, जिनसे पता चला कि आरोपी पिछले चार से पांच महीने से इस गिरोह के साथ मिलकर चोरी की इस पूरी प्रक्रिया में शामिल था। उसकी भूमिका फ्लू डस्ट की लोडिंग के दौरान चोरी के सामान को इस तरह छिपाने की थी कि बाहर ले जाते समय किसी को शक न हो।

मामले की शुरुआत 26 मई 2026 को हुई थी, जब पुलिस ने ग्राम अकलोरडीह के खदानपारा स्थित ए.के.ट्रेडर्स और हथखोज स्थित एक प्लॉट में बड़ी मात्रा में चोरी का लौह स्क्रैप रखा गया है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने दोनों जगह छापा मारा। जांच के दौरान कई हाईवा, ट्रक और अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम और कटिंग सामग्री मिली।

इसके अलावा अलग-अलग स्थानों पर बड़ी मात्रा में लौह स्क्रैप भी रखा हुआ था। पुलिस ने मौके से करीब 250 टन लौह प्लेट, बीम कटिंग और अन्य स्क्रैप जब्त किया था। इसके साथ ही स्क्रैप की ढुलाई और लोडिंग में इस्तेमाल किए जा रहे हाईवा, हाइड्रा, जेसीबी और अन्य मशीनों को भी अपने कब्जे में लिया है।

पुलिस अब तक करीब 90 लाख रुपए कीमत का लौह स्क्रैप जब्त कर चुकी है। वहीं वाहनों और मशीनरी समेत कुल जब्त संपत्ति की कीमत करीब 3 करोड़ 22 लाख रुपए बताई गई है। इस कार्रवाई में घटना में इस्तेमाल किया गया लोडर क्रमांक छत्त 07 छश्च 0249 भी जब्त किया गया है।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह लंबे समय से सुनियोजित तरीके से फ्लू डस्ट के नीचे स्क्रैप और कोक-कोयला छिपाकर संयंत्र से बाहर भेजता था। बाद में इस चोरी के सामान को अलग-अलग जगहों पर जमा कर बेच दिया जाता था, जिससे गिरोह को बड़ा आर्थिक फायदा होता था।

दुर्ग पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि गिरोह से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

अब कहीं भी पोस्टर-फ्लेक्स लगाने पर लगेगा जुर्माना

रायपुर। रायपुर में अब बिना अनुमति पोस्टर, फ्लेक्स और बैनर लगाने पर जुर्माना लगेगा। रायपुर नगर निगम ने अवैध विज्ञापनों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। अब सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति पोस्टर, फ्लेक्स, बैनर, होर्डिंग और पम्पलेट लगाने वालों पर ई-चालान के जरिए जुर्माना लगाया जाएगा। निगम ने शहर के सभी 10 जोन में पोस्टर और फ्लायर्स लगाने के लिए अलग-अलग स्थान तय किए हैं। इन जगहों के अलावा कहीं भी पोस्टर या फ्लायर लगाने पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। कार्रवाई आउटडोर एडवरटाइजमेंट पॉलिसी-2024 के तहत की जाएगी। नगर निगम ने दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी एक सप्ताह का समय दिया है।

उप मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री ने कबीरधाम में विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की मैराथन समीक्षा

किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और विद्यार्थियों से जुड़ी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष फोकस देने दिए निर्देश

खाद, आवास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सोलर योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा, जनप्रतिनिधियों के सुझावों के अनुरूप विभागों को तय समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और कबीरधाम जिले के प्रभारी मंत्री एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति तथा विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में किसानों को खाद की उपलब्धता समान रूप से सुनिश्चित की जाए तथा सभी सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध रहे। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देश दिए कि अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री और अवैध चखना दुकानों पर पुलिस विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। गोधाम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अभी जिले में 17 गोठानों की स्वीकृति मिली है। उन्होंने 10 अगस्त तक सभी का पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले में लगभग 30 हजार मीट्रिक टन मछली उत्पादन हो रहा है, जिसे बढ़ाकर 35 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए।

जिले की अर्थव्यवस्था और जीडीपी बढ़ाने सभी विभाग करें प्रयास

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिले की अर्थव्यवस्था और जीडीपी बढ़ाने की दिशा में सभी विभाग प्रयास करें। नगरीय निकायों में पट्टा सर्वेक्षण एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। सरस्वती साइकिल योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि साइकिलों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। वेंडर द्वारा उपलब्ध कराई गई साइकिलें गुणवत्तापूर्ण होने पर ही स्वीकार की जाएं। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित के ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

समय-सीमा में आवास निर्माण कराएं पूर्ण

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिले में गुलाबी चने के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रबी सीजन में इसका रकबा एवं उत्पादन बढ़ाने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण कराने, जनजागरूकता बढ़ाने तथा किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

मरम्मत योग्य सड़कों का शीघ्र कराएं सुधार

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले की बिहान समूह की महिलाएं सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना का कार्य कर रही हैं और यह प्रदेश का पहला ऐसा समूह है। उन्होंने इन महिला समूहों को अन्य कार्यों के लिए भी अनुबंध उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मरम्मत योग्य सड़कों का शीघ्र सुधार कराने और सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे सीधे अंतिम व्यक्ति तक

उद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आम लोगों और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर कमियों में तत्काल सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए बेहतर कार्य अपनाने और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी पटवारी अपने मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इसके लिए कलेक्टर को आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश दिए।

धान खरीदी हो पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित- सांसद पाण्डेय

सांसद संतोष पाण्डेय ने जिले की धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा के दौरान धान उठाव में अनियमितताओं पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धान खरीदी पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में संचालित अटल टिंकरिंग लैब की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि इन प्रयोगशालाओं का बेहतर उपयोग विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक सोच और तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए किया जाए। जिले के सहकारी शक्कर कारखाने की समीक्षा के दौरान उत्पादन क्षमता एवं शक्कर रिकवरी बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को अधिक लाभ मिल सके। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को समय पर आयुष्मान कार्ड का लाभ और निःशुल्क उपचार की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति न रहे वंचित- भावना बोहरा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन जर्जर भवनों में आंगनबाड़ी संचालित हो रही हैं, उनका सर्वे कराया जाए तथा ऐसे भवनों में आंगनबाड़ी संचालन बंद कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने छात्रावासों में अधीक्षकों की उपलब्धता एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश आदिवासी विकास विभाग को दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि संकुल एवं अन्य बैठकें विद्यालय समय के बाद आयोजित की जाएं ताकि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो और शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहें। समीक्षा के दौरान उन्होंने वृद्धावस्था, विधवा एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे, इसके लिए गांव में सर्वे कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, राजेन्द्र चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, सहपुर लोहारा सरिता संतोष मिश्रा, जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अधिक से अधिक घरों में सोलर रूफटॉप पैनल

श्रम विभाग की समीक्षा में उन्होंने सभी विकासखंड मुख्यालयों में पंजीयन शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों का अन्यत्र अटैचमेंट किया गया है, उन्हें तत्काल मूल पदस्थापना स्थल पर भेजा जाए ताकि विद्यालयों में नियमित शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक घरों में सोलर रूफटॉप पैनल लगाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

विश्व रिकॉर्ड के साथ जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले दिव्यांशु देवांगन का वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया सम्मान

निवास पहुंचकर दी बधाई, शॉल-श्रीफल एवं रामचरितमानस भेंट कर बढ़ाया उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जूनियर वर्ल्ड कप के 10 मीटर एयर राइफल (मिक्स्ड डबल) स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन के निवास पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की और संवाद किया।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दिव्यांशु देवांगन को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उन्हें रामचरितमानस की प्रति भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और अथक मेहनत के बल पर विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। उनकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश और विशेष रूप से रायगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

श्री चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि दिव्यांशु आने वाले समय में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के लिए अनेक गौरवपूर्ण उपलब्धियां हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

दिव्यांशु देवांगन ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

सुशासन सरकार में दिव्यांगों को मिल रहा सम्मान और संबल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सम्मानजनक, सुगम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

शासन की इसी जनहितैषी सोच का एक प्रेरणादायी उदाहरण गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में देखने को मिला, जहां चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग महिला को आवेदन के तुरंत बाद घर पहुंचकर व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई। ग्राम बिजरवार, दौंजरा जनपद पंचायत गौरेला निवासी दिव्यांग मैकिन बाई लंबे समय से चलने-फिरने में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रही थीं। उन्होंने गत दिवस समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के सर्वांगीण विकास की नई पहल

धमतरी में बनेंगे व्यवसायिक परिसर, बोरई बनेगा अंतर्राज्यीय व्यापार एवं परिवहन का नया केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। राज्य शासन एवं भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के समग्र विकास के लिए संचालित योजनाओं को धमतरी जिले में प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने, आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने तथा सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा कई महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। इसी कड़ी में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कमार समुदाय के लिए आधुनिक व्यवसायिक परिसरों का निर्माण कराया जाएगा, ताकि वे स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

जिला प्रशासन द्वारा प्रस्तावित इन व्यवसायिक परिसरों का निर्माण जिले के बेलरगांव, कसपुर, बोरई, कुकरेल, सिंगपुर, दुगली एवं केरेगांव में किया जाएगा। इन परिसरों में कमार समुदाय के हितग्राही अपनी आवश्यकता एवं रुचि के अनुसार दुकानें संचालित कर सकेंगे। इससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, आर्थिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ेगी तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी नई मजबूती मिलेगी।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों तक मूलभूत सुविधाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, पेयजल, बिजली, आजीविका एवं अन्य विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। धमतरी जिले में इस योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप जिले को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि जनजातीय विकास के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी कमार समुदाय के बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान में संचालित कमार विद्यालय को उच्चीकृत कर कक्षा दसवीं से बारहवीं तक संचालित करने की प्रक्रिया जारी है। इससे विद्यार्थियों को उच्च माध्यमिक शिक्षा के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी तथा विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेगी। यह पहल नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों तथा जनजातीय विद्यार्थियों के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

इसी प्रकार जिले के औद्योगिक एवं व्यापारिक विकास को गति देने के उद्देश्य से बोरई में अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल स्थापित करने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया है। छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं कांकेर जिले को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु के रूप में विकसित हो रहे बोरई में बस टर्मिनल के निर्माण से यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी, यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा व्यापार एवं पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। बस टर्मिनल के साथ विकसित होने वाला व्यवसायिक परिसर स्थानीय युवाओं एवं जनजातीय हितग्राहियों के लिए रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। बस टर्मिनल के लिए स्थल चयन कर लिया गया है ।

राज्य शासन की जनजातीय कल्याण संबंधी योजनाओं तथा भारत सरकार की पीएम जनमन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय आजीविका मिशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन से धमतरी जिले के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई तस्वीर उभर रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि विकास की मुख्यधारा का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे तथा विशेष पिछड़ी जनजातियों को सम्मानजनक जीवन, स्थायी आजीविका और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराया जा सके।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के समग्र विकास के लिए जिला प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। हमारा उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें स्थायी आजीविका, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ना है। विभिन्न क्षेत्रों में बनाए जा रहे व्यवसायिक परिसर कमार समुदाय के लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। साथ ही कमार विद्यालय को उच्च माध्यमिक स्तर तक विकसित करने तथा बोरई को अंतर्राज्यीय परिवहन एवं व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए जिले को प्राप्त राष्ट्रपति पुरस्कार हमारी पूरी टीम और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। आने वाले समय में भी जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

मालूम हो कि धमतरी जिले के नगरी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत संकरा के आश्रित गाँव मसानडबरा में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के लिए पक्के मकान बनाए गए हैं, ताकि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक आवास मिल सके। यह पहल कमार जनजाति के रहन-सहन और मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

आवास निर्माण में बड़ी उपलब्धि

जिले में 1481 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 1046 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 435 आवास निर्माणाधीन हैं। अधिकारियों ने बताया कि शेष आवास अगले चार माह में पूर्ण कर लिए जाएंगे। ग्रामीणों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

सड़क एवं आधारभूत संरचना का विस्तार

पीएम जनमन योजना के तहत 36 सड़कों का निर्माण स्वीकृत किया गया है। इन सड़कों की कुल स्वीकृति लागत 1341.60 लाख रुपए है। अधिकांश निर्माण कार्य प्रगति पर है। सड़कें बन जाने से दूरस्थ बसाहटों को बाजार, स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक सेवाओं से बेहतर जोड़ मिलेगा।

मर्दापाल में वन मंत्री ने पंचायत भवन और महतारी सदन का किया लोकार्पण

'महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज कोण्डागांव जिले के मर्दापाल में नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन और महतारी सदन का लोकार्पण किया। लगभग 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवन और लगभग 25 लाख रुपये की लागत से बने महतारी सदन को उन्होंने ग्रामीणों को समर्पित किया।

महतारी सदन में मंत्री कश्यप ने बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से उनकी आजीविका गतिविधियों और समूह से जुड़ने के बाद आय में हुए बदलाव की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि स्व-सहायता समूहों से जुड़कर उन्हें रोजगार और आय के नए अवसर मिल रहे हैं। वन मंत्री ने कहा कि महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

वन मंत्री कश्यप ने महिलाओं से फलदार पौधों का रोपण, पशुपालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि इन गतिविधियों को मेहनत और बेहतर योजना के साथ किया जाए तो ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महतारी सदन महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, जिला पंचायत सदस्य यशोदा कश्यप, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जनपद सदस्य कौशल्या कोर्राम, जयमती कश्यप, रामूराम कोर्राम, रामचन्द्र कश्यप, रामकुमार कोर्राम, रमेश सेठिया, आसमन कोर्राम, लक्ष्मीकांत बेलसरिया, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक विनय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950